राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 21 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–239 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

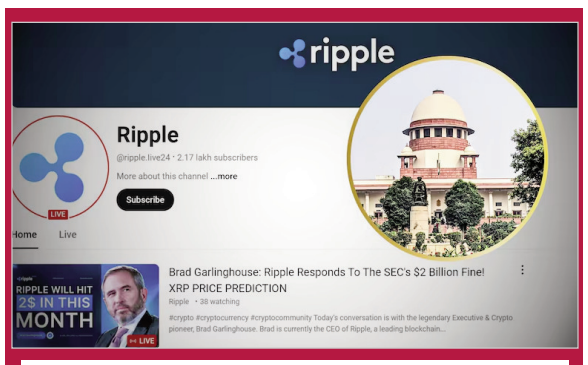

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल शुक्रवार को हैक हो गया है। शीर्ष अदालत के यूट्यूब चैनल पर यूएस बेस्ड क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी को बढ़ावा देने वाले वीडियो दिखाई दे रहा था, जिसे रिपल लैब्स ने डेवलप किया है। इससे पहले हैकर्स ने चैनल का नाम बदला और पहले की सुनवाई के वीडियो प्राइवेट किए। अब कम्युनिटी गाइडलाइन वायलेंस के कारण चैनल को यूट्यूब ने हटा दिया है। इस चैनल पर शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के सामने आने वाले मामलों और जनहित से जुड़े मामलों की सुनवाई को लाइव स्ट्रीम किया जाता है। हाल ही में आरजी कर मेडिकल कॉलेज, रेप और हत्या के मामले की सुनवाई को लाइव स्ट्रीम किया गया था।

मोर्टार फटा, तीन जवान घायल

जैसलमेर । राजस्थान के जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। बीएसएफ के जवानों के अभ्यास के दौरान मोर्टार बम फटने से तीन जवान घायल हो गए। तीनों घायल जवानों को पोकरण के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, तीनों जवान बीएसएफ के ट्रेनी थे। नियमित अभ्यास सत्र के दौरान यह हादसा हुआ। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि घायल जवानों का उपचार जारी है, उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, ताकि हादसे के असल कारणों का पता लगाया जा सके।

बंगाल चुनाव में हिंसा मामले पर सीबीआई को फटकार

-सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच एजेंसी ऐसे बोल रही, जैसे बंगाल की अदालतों में दुश्मनी का माहौल है

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में 2021 विधानसभा चुनाव के दौरान हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सीबीआई की याचिका खारिज कर दी और उसे फटकार भी लगाई। दरअसल, इस हिंसा की जांच सीबीआई कर रही है। उसने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर मामलों की सुनवाई राज्य के बाहर करवाने की मांग की थी। सीबीआई ने याचिका में कहा था कि पश्चिम बंगाल की अदालतों में शत्रुतापूर्ण माहौल है। गवाहों को डराया-धमकाया जा रहा है। इस पर जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने शुक्रवार को सुनवाई की। कोर्ट ने सीबीआई के वकील एएसजी एसवी राजू से कहा कि आप पश्चिम बंगाल में पूरी न्यायपालिका पर सवाल खड़ा नहीं कर सकते। इसका आधार क्या है? आप ऐसा दिखा रहे हैं, जैसे पूरे पश्चिम बंगाल में शत्रुतापूर्ण माहौल है। बेंच ने कहा कि सीबीआई के ऑफिसर न्यायिक अधिकारी या किसी विशेष राज्य को पसंद नहीं कर सकते हैं, लेकिन यह न कहें कि पूरी न्यायपालिका काम नहीं कर रही है। आपके आरोपों पर राज्य के डिस्ट्रिक्ट जज, सिविल जज और सेशन जज यहां आकर अपना बचाव नहीं कर सकते।

भाजपा के सदस्यता अभियान ने हासिल की नई उपलब्धि

-18 दिनों में 4 करोड़ का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली । भाजपा के सदस्यता अभियान 2024 ने शुक्रवार को एक नया मील का पत्थर हासिल किया, क्योंकि महज 18 दिनों में चार करोड़ सदस्यों ने खुद को पार्टी सदस्य के रूप में नामांकित किया है। भाजपा ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 4 करोड़ सदस्य और गिनती जारी है। एक और उपलब्धि हासिल हुई। और स्वयंसेवकों तथा उत्साही लोगों से 88 00 00 2024 पर मिस्ड कॉल देकर इस क्रांति का हिस्सा बनने का आग्रह किया। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को बताया कि सदस्यता अभियान किस तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और किस प्रकार यह नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। तावड़े ने एक्स पर कहा, भाजपा का सदस्यता अभियान लगातार इतिहास रच रहा है, मात्र 18 दिनों में 4 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया गया। अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे भाजपा सदस्यता अभियान 2024 को देशवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, जिसका प्रमाण ये 4 करोड़ सदस्य हैं।

एसयूवी हादसा- बैकडेट में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की जुगाड़ में था कुलदीप

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम के एसयूवी हादसे के बाद नए-नए खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया हैं कि आरोपी ने खुद को बचाने के लिए कई हथकंडे अपनाए थे। आरोपी कुलदीप ठाकुर ने बैकडेट में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अपने परिचित से संपर्क किया था। इसके साथ ही वकील से भी बात की थी। कुलदीप ठाकुर ने 17 सितंबर को संपर्क किया था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या लाइसेंस पिछली तारीख में बनवाया जा सकता है। इतना ही नहीं, कुलदीप ने बैकडेट में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए भी बात की थी। दरअसल, गुरुग्राम में 15 सितंबर को एक बाइक और महिंद्रा एसयूवी के बीच हुई टक्कर का वीडियो अब सामने आया है। हादसे में हाई स्पीड बाइक चला रहे अक्षत

न्यायपालिका पर सवाल उठाने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई सीबीआई को फटकार

-कहा- आप जजों की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे, यह अस्वीकार्य है

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा मामले में एक याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई है। पश्चिम बंगाल में न्यायपालिका पर सवाल उठाने वाली इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सीबीआई ने याचिका फाइल कर 45 मामलों को बंगाल से बाहर की अदालत में शिफ्ट करने की मांग की थी। जस्टिस एएस ओका और पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि सीबीआई न्यायपालिका कि छवि को धूमिल कर रही है। जानकारी के मुताबिक सीबीआई ने कहा था कि पश्चिम बंगाल की कोर्ट में सुनवाई के दौरान दुश्मनी अदा करने जैसा व्यवहार किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस आरोप को आपत्तिजनक बताते हुए याचिका वापस लेने का आदेश दिया है। पीठ ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि याचिका में कहा गया है कि जज गलत तरीके से जमानत दे रहे हैं। आप सभी अदालतों को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं और उन्हें पक्षपाती बताना चाहते हैं। कोर्ट ने कहा कि आप वहां के जजों की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है।

बता दें कि कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई चुनाव के बाद हिंसा की घटनाओं की जांच कर रही है। सीबीआई का कहना है कि राज्य का माहौल ठीक नहीं है। ऐसे में निष्पक्ष सुनवाई के लिए मामलों को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने की जरूरत है। 14 फरवरी को एक सिंगल जज की बेंच ने इन मामलों की सुनवाई पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सीबीआई को अवमानना की कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। कोर्ट ने कहा कि जिस व्यक्ति ने इस याचिका को प्रमाणित किया है उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करने के लिए यह मामला पर्याप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आखिर एजेंसी की याचिका में कोर्ट के खिलाफ इस तरह की बात कैसे की जा सकती है। कोर्ट ने कहा जज खुद को डिफेंड नहीं कर सकते लेकिन हम आपको इस तरह के आरोप लगाने

की भी इजाजत नहीं दे सकते। वहीं कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इन मामलों को राज्य के बाहर शिफ्ट किया जाता है तो पीड़ितों का क्या होगा। उनके लिए कोर्ट पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। इसके बाद एएसजी राजू ने याचिका वापस लेने का फैसला किया। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की सभी अदालतों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बार-बार कहा गया है कि अदालतों का माहौल खराब है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई जैसी एजेंसी इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी अपनी आपत्ति जाहिर कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम में बोले

कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी

मुंबई ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के अंदर देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। वे विदेश से बैठकर एजेंडे चलाते हैं। इन्हें अब गणपति बप्पा से भी चिढ़ होने लगी है। मैंने गणेश पूजा की तो कांग्रेस बेचैन हो गई। मोदी ने यह बातें महाराष्ट्र के वर्धा में एक रैली को संबोधित की। वे यहां पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। पीएम ने कहा कि पुरानी सरकारों में कामगारों के हुनर को सम्मान नहीं मिलता था। कांग्रेस और उनके दोस्तों ने एससी-एसटी को दबाकर रखा। उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया।

हमारी सरकार ने स्किल मंत्रालय बनाया। पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की। एक साल में इस योजना के तहत 8 लाख लोगों को स्किल ट्रेनिंग दी गई है। पीएम मोदी ने कहा कि जिस पार्टी में हमारी आस्था और संस्कृति का जरा सा भी सम्मान होगा, वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती। लेकिन आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। दरअसल पीएम मोदी सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजन करने गए थे। जिसका विपक्ष ने विरोध किया था।

एससी, एसटी और ओबीसी को आगे नहीं बढ़ने दिया।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस और उसके मित्रों ने जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया। हमने सरकारी व्यवस्था से कांग्रेस की इस दलित-विरोधी और पिछड़ा-विरोधी सोच को खत्म कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़े बताते हैं कि एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय विश्वकर्मा योजना का लाभ उठा रहे हैं। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस और बाद में महा विकास अघाड़ी सरकार ने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने के बजाय उन्हें बदहाली में धकेला, किसानों के नाम पर राजनीति की और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। 2014 में जब देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनी तो अमरावती में टेक्सटाइल पार्क का काम शुरू हुआ।

देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कांग्रेस का शाही परिवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ये वो कांग्रेस हैं जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं। आज देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी कांग्रेस है। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कांग्रेस का शाही परिवार है। ये लोग विदेशी धरती से एजेंडे चलाते हैं। दरअसल पीएम मोदी ने हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि आर्टिकल 370 की बहाली पर पाकिस्तान और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन की राय एक है।

तिरुपति के लड्डुओं में चर्बी के आरोपों पर एक्शन में सरकार

नड्डा बोले- मामले की जांच करेगा एफएसएसएआई

नई दिल्ली ।

तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी के इस्तेमाल के दावों के बाद विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब केंद्रीय स्वास्थय मंत्री जेपी नड्डा ने तिरुमाला लड्डू प्रसादम में मिलावट पर मुख्यमंत्री नायडू से फोन पर बात की है और आंध्र प्रदेश सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) रिपोर्ट की जांच करेगा और पूरी जांच की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने तिरुपति प्रसादम विवाद पर कहा, जैसे ही मुझे खबर मिली मैंने चंद्रबाबू नायडू से बात की और इस बारे में जानकारी ली, मैंने उनसे कहा है कि उनके पास जो रिपोर्ट है, उसे मुझे भेजें। मैं इसकी जांच करूंगा और राज्य नियामक से भी बात करूंगा और जानूंगा कि उनका क्या कहना है। रिपोर्ट की पूरी तरह से जांच करने के बाद सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी, कानून और हमारे एफएसएसएआई के दायरे में जो भी आएगा, उसके तहत कार्रवाई की जाएगी।

ममता ने पीएम को लिखा पत्र, राज्य में बाढ़ के हालात से कराया अवगत

-डीवीसी के बांधों से छोड़े पानी को बताया कारण, मांगी मदद

कोलकाता।

मैथन और पंचेत बांधों के पानी से पश्चिम बंगाल में बाढ़ आने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को पीएम मोदी को एक पत्र लिखा। पत्र में राज्य में बाढ़ के हालात से पीएम को अवगत कराया और केंद्रीय कोष को मंजूरी देने का अनुरोध किया। सीएम ममता ने जोर देकर कहा कि राज्य एकतरफा पानी छोड़ने और तबाही मचाने के लिए दामोदर घाटी निगम के साथ सभी संबंध तोड़ देगा। ममता ने पत्र में लिखा कि राज्य अब 2009 के बाद से निचले दामोदर और आसपास के क्षेत्रों में सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। उन्होंने दावा किया एक हजार वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र बाढ़ झेल रहा है और राज्य के करीब 50 लाख लोग फसलों के नुकसान, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और घरों, मवेशियों समेत निजी संपत्तियों को नुकसान के कारण बुरी तरह परेशान हैं। ममता ने कहा कि हाल के दिनों में मैथन और पंचेत बांधों की संयुक्त प्रणाली से करीब पोच लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। उन्होंने इस स्थिति के लिए दामोदर घाटी निगम प्रणाली द्वारा पानी के अनियोजित और असंगठित छोड़े जाने को जिम्मेदार ठहराया है। ममता ने पत्र में यह भी लिखा कि मैं ईमानदारी से अनुरोध करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को पहली प्राथमिकता के रूप में निपटाने के निर्देश दें, जिसमें सबसे ज्यादा पीड़ित लोगों के हित में व्यापक बाढ़ प्रबंधन कार्य करने के लिए केंद्रीय धन की मंजूरी और जारी करना शामिल है। उन्होंने दावा किया कि डीवीसी के स्वामित्व और रखरखाव वाले मैथन और पंचेत बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़ने से तबाही हुई। वहीं, केंद्र सरकार ने कहा था कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) से पानी छोड़ते समय सभी मानदंडों का पालन किया था। इस प्रकार केन्द्र ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के उन आरोपों का खंडन किया है कि राज्य में बाढ़ के लिए पानी का छोड़ा जाना जिम्मेदार है।

हरियाणा में चरम पर चुनाव प्रचार.....लेकिन कहां गुम हैं कुमारी शैलजा

चंडीगढ़ ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस दिग्गज कुमारी शैलजा प्रचार मैदान से नदारद हैं। खबरें हैं कि हरियाणा कांग्रेस के नेता सिरसा सांसद की लंबे वक्त से गैरमौजूदगी पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी ने सैलेजा को लेकर चुप्पी साध रखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस नेता प्रचार अभियान से शैलजा की दूरी पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। हालांकि, इसकी वजह साफ नहीं है।

एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा प्रचार में जुटे हुए हैं। वहीं, शैलजा दिखाई नहीं दे रही हैं। कहा जा रहा है कि इसके चलते उन उम्मीदवारों के प्रचार पर भी असर पड़ रहा है, जिन्हें वे टिकट दिलाने में सफल हुई हैं। साथ ही माना जा रहा है कि इससे राज्यभर में पार्टी के प्रचार पर असर पड़ सकता है। सूत्रों के हवाले से बताया कि कांग्रेस में गुटबाजी टिकट बंटवारे में भी देखने को मिली थी। रिपोर्ट के अनुसार, हुड्डा और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने टिकट वितरण किया है।

वहीं, शैलजा ने भी उनके समर्थक नेताओं के लिए टिकट लेने की कोशिश की थी। सूत्रों ने बताया है कि उम्मीदवारों के चयन के दौरान कुछ सीटों पर मतभेद थे, जिसके चलते खासतौर से उकलाना और नारनौंद विधानसभा क्षेत्र के चलते लिस्ट में देरी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि गृहक्षेत्र होने के कारण शैलजा उकलाना क्षेत्र अपने पसंद के उम्मीदवार को मैदान में उतारना चाहती थीं। वह पहले ही सार्वजनिक तौर पर बता चुकी थीं कि कांग्रेस नेता डॉक्टर अजय चौधरी के लिए टिकट की मांग करेंगी।

सूत्रों का कहना कि शैलजा हिसार, फतेहाबाद और अंबाजा जिले की 10-11 सीटों पर अपने समर्थक उम्मीदवारों को टिकट दिलाने में सफल हुईं थीं। राजनैतिक जानकार का कहना है कि शैलजा के समर्थक टिकट बंटवारे में खुद को अनदेखा महसूस कर रहे थे और उदास थे। उन्होंने कहा, अगर हरियाणा के नेताओं के दो गुटों के बीच जल्द समाधान नहीं हुआ, तब शैलजा की गैरमौजूदगी से राज्य में कांग्रेस की संभावनाओं पर असर पड़ेगा।

हरियाणा में सरकार आप के बिना नहीं बनेगी

इस्तीफे के बाद केजरीवाल ने पहले रोड शो में कहा

चंडीगढ़ ।

हरियाणा में आप नेता अरविंद केजरीवाल ने एक रोड शो में कहा कि हरियाणा में कोई भी सरकार आम आदमी पार्टी के बिना नहीं बनेगी। केजरीवाल यमुनानगर के जगाधरी में बोल रहे थे। दिल्ली सीएम पद से इस्तीफे के बाद यह उनका पहला राजनीतिक कार्यक्रम था।

जगाधरी विधानसभा में भाषण देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जगाधरी के लोगों को मेरा राम-राम। इन लोगों ने मुझे फर्जी केस करके जेल में डाल दिया था, आप लोगों ने देखा होगा। मैं 5 महीने जेल में रहा। जेल में उन्होंने मुझे तोडने की बहुत कोशिश की। मुझे सामान्य मुजरिम को मिलने वाली सुविधाएं भी नहीं दीं। उन्होंने कहा कि ये मुझे तोडना चाहते थे लेकिन इन्हें यह नहीं पता कि मैं हरियाणा का हूं। मेरी रगों में हरियाणा का खून दौड़ रहा है। तुम किसी को भी तोड़ सकते हो लेकिन हरियाणा वाले को नहीं तोड़ सकते। इन्होंने मेरे साथ जो कुछ भी किया हरियाणा का बच्चा-बच्चा उसका बदला लेगा। इन्होंने (भाजपा) मुझे जेल भेजा अब हरियाणा वाले इन्हें हरियाणा से बाहर भेजेंगे।

मैं भी अग्निपरीक्षा दूंगा

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं चाहता तो आराम से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ सकता था। 14 साल के वनवास के बाद जब भगवान राम लौटे थे तो सीता माता को अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी। इसी तरह केजरीवाल भी अग्निपरीक्षा देगा। ये लोग मेरे ऊपर आरोप लगाते हैं कि केजरीवाल बेईमान और भ्रष्ट है। मैंने दिल्ली की जनता को कहा कि मैं इस्तीफा दे रहा हूं और अगर आपको लगता है कि केजरीवाल चोर है तो मुझे वोट मत देना। और लगता है कि केजरीवाल ईमानदार है तभी वोट देना। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली की जनता को लगता है कि अरविंद केजरीवाल ईमानदार है और दिल्ली की जनता जब दोबारा वोट देकर जिताएगी तभी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा वरना नहीं बैठूंगा। मुझे नहीं लगता किसी भी नेता ने आज तक इतनी हिम्मत की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड में मोदी का चुनावी शंखनाद

(लेखक- कुमार कृष्णन)

झारखंड विधानसभा चुनाव में अब महज कुछ दिनों का समय शेष है। वहीं विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड में मिशन 2024 के लिए सभी दलों ने तैयारी तेज कर दी है। भारतीय जनता पाटी। झारखंड के कोल्हान में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए लगातार नए-नए दांव खेल रही है। भाजपा ने जहां बीते दिनों जेएमएम के वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को भाजपा में शामिल कराया वहीं उनके शामिल होने के महज कुछ दिनों बाद ही झारखंड के जमशेदपुर में प्रधान नरेंद्र मोदी का बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया।चंपई सोरेन का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए एक बड़ी सफलता है। उनके बहाने भाजपा झारखंड में प्रभाव बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने जमशेदपुर से झारखंड चुनावी प्रचार का शंखनाद कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी चुनावी सभा के दौरान चंपाई सोरेन और सीता सोरेन का जिक्र करते हुए कोल्हान और संधाल के आदिवासियों को बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। जमशेदपुर के गोपाल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सरकार पर हमला बोलने के साथ-साथ झारखंड में सरकार बनने के बाद के नजरिये को भी सबके सामने रखने का काम किया। हमलावर अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल झारखंड का बड़ा दुश्मन करार दिया तो झारखंड का सबसे बड़ा मुद्दा घुसपैठ बताया। साथ ही कहा कि ये तीनों घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से घट रही है। झारखण्ड के शहर हो या गांव रोहिंग्या और बांग्लादेशी लगातार घुसपैठ कर रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस मजहब के नाम पर वोट बैंक बना रहे हैं। यही समय है इस खतरे को रोकना होगा। आदिवासी भावना को उभारते हुए प्रधानमंत्री ने सवालिया लहजे में पूछा—क्या चंपाई सोरेन जी आदिवासी नहीं थें ? क्या वे गरीब परिवार से नहीं आतें? उन्हें किस तरीके से सीएम की कुर्सी से हटाया गया? सीता सोरेन को अपने परिवार ने ही बेदखल किया। इसका जवाब झारखंड का हर आदिवासी देगा। हर माता देंगी। कांग्रेस देश की सबसे भ्रष्ट और बेईमान पार्टी है। झारखण्ड में जमीन की लूट मची हुई है। अब लोग अपनी जमीन पर बोर्ड लगाकर लिखने लगे हैं कि यह जमीन बिकाऊ नहीं है।

इस दौरान पीएम मोदी ने झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती में अभ्यर्थियों की मौत पर कहा कि झारखंड में परीक्षाओं के नाम पर उत्पाद सिपाही भर्ती में 15 लोगों की जान चली गई। यह सब सरकार की गलत व्यवस्था के कारण हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन लोगों की जिंदगी गई है, उन्हे श्रद्धांजलि दी और यह यकीन दिलाया कि जब कुछ ही महीनों बाद झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी तो पूरे मामले की जांच होगी और हर जिम्मेवार पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 के दौरान कोल्हान प्रमंडल में भाजपा बुरी तरह पिछड़ गई थी। यहां की 14 सीटों पर पार्टी का खाता तक नहीं खुल पाया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास भी अपनी परंपरागत सीट पर पराजित हो गए थे। इस बार इस प्रमंडल में बढ़त लेने के लिए भाजपा मजबूत किलाबंदी में जुटी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के टाटानगर में 660 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। संपर्क बढ़ाने के लिए छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।32,000 प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए और 32 करोड़ रुपये की सहायता की पहली किस्त जारी की।46,000 लाभार्थियों के गृह प्रवेश समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री के बाद अब गृह मंत्री अमित शाह भी 21 सितंबर को झारखंड पहुंचने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बाद भाजपा ने झारखंड विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा जैसे अनुभवी राष्ट्रीय नेता रणनीतिक समर्थन दे रहे हैं। झारखंड में होने वाले इस विधानसभा चुनाव में भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उनके पाले में राज्य के कई दिग्गज नेताओं का होना है। बाबूलाल मरांडी, अमर बाउरी, अर्जुन मुंडा, बिद्युत बरन महतो, दीपक प्रकाश, मनीष जायसवाल, ढुल्लू महतो जैसे कई दिग्गज और प्रभावशाली नेता चुनावी तैयारी में लगे हैं।भाजपा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन सरकार से सत्ता छीनने की जिम्मेदारी हिमंता बिस्वा सरमा के कंधों पर है। वे ही तय कर रहे हैं कि किन नेताओं को भाजपा में शामिल किया जाए और किन्हें नहीं। चंपाई सोरेन का भाजपा में प्रवेश हो या लोबिन हेम्ब्रम का पार्टी में शामिल होना, इन सभी फैसलों के पीछे हिमंता बिस्वा सरमा का ही हाथ है। यदि भाजपा इस दिशा में सफल होती है तो उसकी एक बड़ी व्यापारिक जीत भी कही जा सकती है। क्योंकि पूंजीपतियों के हितों को साधने में प्राकृतिक संपदा के धनी राज्यों पर सत्ता काबिज करना पहली शर्त है,ताकि मनमाने दोहन में कोई अड़चन न आए। पिछले विधानसभा में भाजपा के हाथों से पिछली बार झारखंड की सत्ता फिसल गई थी। आदिवासी बहुल दूसरे राज्यों की तरह ही झारखंड के चुनावी नतीजे भी इसके राजनीतिक भूगोल पर निर्भर करता है। भौगोलिक तौर पर पांच बड़े इलाकों में बांटे जाने वाले झारखंड का राजनीतिक समीकरण भी बेहद जटिल है। विधानसभा सीटों की संख्या की बहुतायात के आधार पर देखें तो पलामू में 9, कोल्हान में 14, दक्षिण छोटानागपुर में 15, संथाल परगना में 18 और उत्तरी छोटानागपुर में 25 सीट है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनका परिवार संथाल परगना इलाके से आता है और चंपई सोरेन कोल्हान इलाके से आते हैं।

2011 की जनगणना के मुताबिक, कोल्हान इलाके में राज्य की अनुसूचित जनजाति आबादी का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा (41.96 फीसदी) रहता है। दूसरे इलाके में जनजातियों की आबादी का हिस्सा देखें तो दक्षिण छोटानागपुर में सबसे अधिक 51.1 फीसदी हिस्सा है। झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 में जेएमएम और उसके सहयोगियों ने कोल्हान इलाके में 14 विधानसभा सीटों में से 13 जीते थे। चंपई सोरेन पूरी कोल्हान डिवीजन के तीन जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां अकेले प्रभावशाली नेता हैं।

कोल्हान इलाके में 1980 के बाद हुए नौ विधानसभा चुनावों में से चार में भाजपा ने आरक्षित सीटों में अधिकतम सीटें जीती हैं। हालांकि, 2019 के चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत हासिल का सबसे बड़ा कारण इन्हीं 28 आरक्षित सीटों में 89.3 फीसदी जीत का स्ट्राइक रेट था। राज्य की बाकी 53 सीटों में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा गठबंधन 23 और 22 सीटों पर जीत के साथ सियासी तौर पर लगभग बराबर पर थे। बाकी आठ सीटों पर दूसरे दलों को जीत मिली थी। इसलिए भाजपा की रणनीति इस बार हर हाल में आरक्षित सीटों पर वापसी की है।

चंपई सोरेन पूरी कोल्हान डिवीजन के तीन जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां अकेले प्रभावशाली नेता हैं। कोल्हान इलाके में 1980 के बाद हुए नौ विधानसभा चुनावों में से चार में भाजपा ने आरक्षित सीटों में अधिकतम सीटें जीती हैं। हालांकि, 2019 के चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत हासिल का सबसे बड़ा कारण इन्हीं 28 आरक्षित सीटों में 89.3 फीसदी जीत का स्ट्राइक रेट था। राज्य की बाकी 53 सीटों में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा गठबंधन 23 और 22 सीटों पर जीत के साथ सियासी तौर पर लगभग बराबर पर थे।

संपादकीय

कश्मीर से पैगाम

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण का शानदार मतदान कीर्तिमान होने के साथ ही, दुनिया को एक खुशनुमा पैगाम भी है। घाटी के जो इलाके कभी आतंकियों के मजबूत ठिकाने हुआ करते थे, वहां 61 प्रतिशत से ज्यादा मतदान भारतीय लोकतंत्र की बड़ी विजय है। उन तमाम आम और खास हस्तियों को इसके लिए धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने इस चुनाव और ऐसे मतदान को मुमकिन बनाया। आज से कुछ साल पहले डोडा, किश्तवाड़, अनंतनाग, कुलगाम, रामबन, शोपियां इत्यादि संवेदनशील क्षेत्रों में ऐसे चुनाव के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। केवल पुलवामा में अपेक्षाकृत कम 46 प्रतिशत मतदान हुआ है, बाकी सभी प्रभावित क्षेत्रों में 55 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किसी खुशखबरी से कम नहीं है। किश्तवाड़ तो 80.14 प्रतिशत के मतदान के साथ एक मिसाल है। दस साल में पहली बार जम्मू-कश्मीर के लोगों को विधानसभा चुनाव में मतदान का मौका मिला है और लोगों ने ऐसे बढ़-चढ़कर भाग लिया है कि कश्मीर घाटी की एक अलग ही छवि उभरने लगी है। बड़ी संख्या में महिलाओं ने घर से निकलकर मतदान किया है। जाहिर है, लोग सुरक्षित और विकसित भविष्य के लिए लालायित हैं। उन्हें मशीनगन नहीं, बल्कि मतदान पर ज्यादा भरोसा है। बीते पांच वर्ष में कश्मीर घाटी में जो स्थितियां बनी हैं, उसके लिए सरकार को अवश्य श्रेय देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को श्रीनगर की चुनावी रैली में विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जम्मू-कश्मीर के युवाओं के हाथों में पत्थर थमाते थे, उनका भविष्य बर्बाद करते थे। वाकई, आज घाटी में भी स्कूल, कॉलेज खुल रहे हैं और पढ़ाई के लिए युवाओं में लालसा बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ काम कर रही ताकतों को मुंहतोड़ जवाब मिलना समय की असली मांग है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ खड़े होने का समय है और प्रधानमंत्री ने वहां के युवाओं के लिए रोजगार का इरादा, वादा जाहिर करके बिल्कुल सही संकेत दिया है। जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतना जरूरी है और इसके लिए उनकी बेहतरी हेतु हर संभव कदम उठाने ही चाहिए। एक समय था, जब कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराने में भी दिक्कत होती थी, खुद वहां दिग्गज नेता दूसरों को चुनौती देते थे कि लाल चौक पर तिरंगा फहराकर दिखाओ, पर आज जज्बात और हालात, दोनों बदल गए हैं। जिन चीजों के बारे में सोचा जाता था कि ऐसा कश्मीर में कभी नहीं होगा, वैसा अब होने लगा है। गौर कीजिए, जिन इलाकों में अनुच्छेद-370 को हटाने का सबसे ज्यादा विरोध हुआ था, उन इलाकों ने भारी मतदान करके अपना नया इरादा जता दिया है। अब उम्मीद बढ़ गई है कि मतदान के अगले दो चरणों में और ज्यादा संख्या में लोग घरों से निकलकर मतदान करेंगे, जिसका पैगाम दुनिया में जाएगा। पहले चरण के अच्छे मतदान के लिए सबसे ज्यादा श्रेय आम लोगों को देना चाहिए, जिन्होंने अपने मताधिकार को साकार किया है। इसके बाद सुरक्षा और रक्षा बलों की सबसे ज्यादा तारीफ होनी चाहिए। एक समय था, जब आतंकी मारे जाते थे, तो घाटी में खूब चर्चा होती थी, पर किसी सुरक्षा या रक्षाकर्मी का जब खून बहता था, तब खामोशी-सी छा जाती थी। इसके बावजूद पुलिस के जवानों और फौजियों ने आतंकवाद का पुरजोर मुकाबला किया, जिसके सुखद नतीजे आज मतदान के रूप में दुनिया देख रही है। कश्मीर को अलगाववाद और हिंसा की अंधी गलियों से हमेशा के लिए बाहर निकल आना चाहिए।

चाय अर्थव्यवस्था, संबंधों और स्वास्थ्य की कुंजी

चाय के महत्व और इसके उत्पादकों को सम्मानित करने, चाय उद्योग में काम करने वाले लोगों के योगदान को पहचानने और चाय की सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा 21 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। यह दिवस दुनिया भर में चाय की खपत को बढ़ाने और इसे पीने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना के लिए भी जाना जाता है। चाय व्यापार से जुड़े लोगों को चाय उत्पादन के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष महत्व रखता है।

(अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर विशेष)

चाय एक ऐसा पेय पदार्थ है जो अर्थव्यवस्था और संबंधों को मजबूत करने और बेहतर स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाती है। इससे हजारों लोगों की रोजी रोटी जुडी होती है। दुनियाभर में करोड़ों लोगों की सुबह चाय की पहली चुस्की से होती है। चाय रिश्तों की प्रगाढ़ता में अपना अहम महत्व रखती है। चाय के महत्व और इसके उत्पादकों को सम्मानित करने, चाय उद्योग में काम करने वाले लोगों के योगदान को पहचानने और चाय की सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा 21 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। यह दिवस दुनिया भर में चाय की खपत को बढ़ाने और इसे पीने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना के लिए भी जाना जाता है। चाय व्यापार से जुड़े लोगों को चाय उत्पादन के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष महत्व रखता है। चाय हमारे देश भारत में पानी के बाद सबसे अधिक पिया जाने वाला पेय पदार्थ है, और इसका महत्व सिर्फ स्वाद तक ही सीमित नहीं है। चाय की शुरुआत भारत के पूर्वोत्तर इलाकों, म्यांमार के उत्तरी क्षेत्र और चीन के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में हुई थी, और इसका पौधा केमेलिया सिनेसिस नामक पौधे से तैयार किया जाता है।

हजारों वर्ष और चाय का लंबा सफर -

चाय ने हजारों साल के अपने लम्बे सफर में, आम जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति, विरासत और सामाजिक-आर्थिक विकास में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। यहां तक कि चाय बागानों से विश्व भर में करीब सवा करोड़ लोगों को वित्तीय सहारा मिलता है, जिनमें लघु किसान, उनके घर-परिवार भी हैं, जो अपनी आजीविका के लिए चाय सैक्टर पर निर्भर हैं।

चाय उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश-

दुनिया में चीन चाय का सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। श्रीलंका चाय का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश, जो विश्व की कुल चाय उत्पादन का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है और सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला देश भी है। जापान में भी चाय का उत्पादन किया जाता है, यहा खासकर हरी चाय का उत्पादन होता है। दुनिया में कई अन्य देश भी चाय का उत्पादन करते हैं, जिनमें केन्या, तुर्की, वियतनाम, अर्जेंटीना, मलावी, तंजानिया, यूगांडा, और इंडोनेशिया प्रमुख हैं। भारत में चाय की खेती मुख्य रूप से असम, दार्जिलिंग, और नीलगिरि जैसे क्षेत्रों में की जाती है, जहां समुद्र तल से 610 से 1,830 मीटर ऊंचे पहाड़ी ढ़ालों पर चाय के उद्यान हैं। भारत में चाय उत्पादन का इतिहास 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासनकाल में शुरू हुआ, जब अंग्रेजों ने असम में चाय के बाग लगाए।

चाय और अर्थव्यवस्था का गहरा संबंध-

भारत चाय लगभग 27 प्रतिशत चाय उत्पादन करते हुए विश्व उत्पादन में महत्वपूर्ण भागीदारी करता है। भारत से चाय का निर्यात विश्व के विभिन्न देशों में किया जाता है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है। चाय उद्योग भारत में लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। चाय और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा संबंध है। भारत में चाय उद्योग लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिसमें चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों से लेकर चाय उत्पादन और विपणन में शामिल लोग प्रमुख हैं। चाय उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देता है, जहां चाय बागान स्थित हैं। चाय उद्योग से सरकार को महत्वपूर्ण कर राजस्व प्राप्त होता है। वहीं चाय पेय पदार्थ के रूप में देशभर में हजारों दुकानों के माध्यम से रोजगार का सस्ता और सुलभ तथा सशक्त माध्यम है।

चाय उद्योग की आर्थिक चुनौतियाँ -

चाय उद्योग जहां अर्थ व्यवस्था को मजबूत करता है, वहीं बाजार में चाय की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उद्योग की आय प्रभावित होती है। चाय उत्पादन की लागत बढ़ने से उद्योग की लाभप्रदता प्रभावित होती है। विश्व बाजार में चाय की प्रतिस्पर्धा बढ़ने से भारतीय चाय उद्योग की स्थिति प्रभावित होती है। मौसम की समस्याएं जैसे कि सूखा या बाढ़ से चाय उत्पादन प्रभावित होता है।

चाय उद्योग के विकास के लिए सरकारी पहल-

भारत सरकार ने चाय उद्योग को सशक्त करने के लिए कई प्रयास किये है। भारत सरकार ने चाय बोर्ड की स्थापना की है, जो चाय उद्योग के विकास के लिए काम करता है। सरकार चाय निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करती है। सरकार चाय की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देती है।

-चाय में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व होते हैं -

चाय की पेय महत्ता और अर्थव्यवस्था का संबंध बहुत गहरा है। चाय न केवल एक पेय पदार्थ है, बल्कि यह विश्व अर्थव्यवस्था और संबंधों की व्यवस्था को भी प्रगाढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो विभिन्न संस्कृतियों और समाजों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। चाय में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। चाय सामाजिक समारोहों और मुलाकातों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चाय विभिन्न संस्कृतियों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, जैसे कि जापानी का चाय समारोह।

विचार मंथन

सारी दुनिया,इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों से भयभीत

(लेखक- सनत जैन)

सारी दुनिया के देशों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार व्यवस्था को लेकर एक अज्ञात भय समा गया है। लेबनान में जिस तरह से हजारों पेजरों,इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, वॉयरलैस आधारित वॉकी-टॉकी इत्यादि के माध्यम से सामूहिक विस्फोट किए गए हैं। इन विस्फोटों में हजारों लोगों घायल हुए हैं। सैकड़ो लोग मौत का शिकार हो गए हैं। कई स्थानों पर मोबाइल डिवाइस पर भी इसी तरह के धमाके किए गए हैं। सेना के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों के पेजर और मोबाइल फोन पर भी हुए हैं। जिसके बड़ी संख्या में डॉक्टर नर्स और मरीज घायल हुए हैं। उसके कारण अब लोगों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों के उपयोग को लेकर भय फैल गया है। पिछले तीन दशक में दुनिया के सभी देशों में इंटरनेट का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। पिछले दो दशक में ऑनलाइन सेवाओं का जाल बिछाया गया है। कम्युनिकेशन के सभी संसाधन इंटरनेट के माध्यम से आपस में जुड़ गए हैं। टेलीविजन भी अब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इंटरनेट के माध्यम से सारी दुनिया में सेवाएं दे रहे हैं। मोबाइल फोन गरीब से गरीब के व्यक्ति के पास उपलब्ध है। घरों में जो टीवी लगी हैं। वह भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं इंटरनेट के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहे हैं। सभी माध्यमों में कुछ ही लोगों का एकाधिकार है। विशेष रूप से सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर तैयार करने वाली संस्थाओं कुछ ही कंपनियों पर एकाधिकार है। इस तकनीकी पर घुसपैठ करने वालों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। हैकिंग सिस्टम के माध्यम से हैकर तकनीकी को ध्वस्त करते हुए कमाई के नए-नए आयाम खोजने में लगे हैं। युद्ध लड़ने के जो नए तरीके अब विकसित हो रहे हैं। वह बहुत विनाशकारी हैं। पहले जो युद्ध हुए हैं, उसमें उतना बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जितना बड़ा नुकसान अब सारी दुनिया के देशों को हो सकता है। पहले रासायनिक हथियारों का एक भय था। अब जिस तरह से व्यक्ति को लक्ष्य करके हमले किए जा रहे हैं। उसने सारी दुनिया को हैरानी और परेशानी में डाल दिया है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट की आशंका को देखते हुए, सभी देशों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की विश्वसनीयता और उपयोग को लेकर बड़ा संशय पैदा हो गया है। सारी दुनिया एक ही नेटवर्क से जुड़ी हुई है। सभी संचार माध्यम आपस में जुड़े हुए होने के कारण कम समय में सारी दुनिया के देशों को लक्ष्य किया जा सकता है। यह आशंका अब बलवती होने लगी है। पिछले एक दशक में जिस तरह से इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन नेटवर्किंग से दुनिया की 70 फ़ीसदी से ज्यादा आबादी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नेटवर्क के माध्यम से जुड़ चुके है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग युद्ध में हथियार के रूप में किया गया है। उसके कारण लोगों के बीच में यह चर्चा होने लगी है। पेजर तकनीकी जो वायरलेस के माध्यम से एक सीमित क्षेत्र में वन वे कम्युनिकेशन के रूप में काम करती है। यदि वह सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति में लोगों की सुरक्षा किस तरह संभव होगी, यह समझना मुश्किल हो गया है। भारत सहित दुनिया के अन्य देशों के संचार माध्यम इंटरनेट से संचालित हो रहे हैं। घरों की टीवी में जो प्रसारण आ रहा है। वह भी इंटरनेट के माध्यम से आ रहा है। एंड्राइड तकनीकी के टेलीविजन दुनिया भर के अरबों टेलीविजन और मोबाइल एक ही सिस्टम से संचालित हो रहे हैं। सारे सिस्टम एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कब इस सिस्टम के अंदर कौन घुसकर क्या करके निकल जाएगा, कहना मुश्किल है। इजराइल ने जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों से घातक तकनीकी विकसित करते हुए इस तकनीकी का इस्तेमाल युद्ध के लिए किया है। इजरायल के अलावा आतंकी संगठनों के पास इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा युद्ध में काम आने वाले हथियार जिस तरीके से विकसित किए गए हैं। वह पूरी दुनिया की मानव आबादी को कुछ ही क्षणों में तबाह करने की क्षमता रखते हैं। अभी मिसाइल से किसी स्थान पर लक्ष्य पर निशाना साधा जाता था। अब निशाने पर वह हर व्यक्ति आ गया है। जो व्यक्ति मोबाइल ,पेजर ,टेलीविजन एवं उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कर रहा है। वह नेटवर्किंग में जुड़े हुए नहीं हैं।उसके बाद भी जिस तरह से हाल ही में इजरायली लडाकूओं ने पेजर और वाकी-टाकी के माध्यम से हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। जिनके पास इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे। वह बुरी तरह से घायल हुए, या मारे गए।

रेपो रेट में फरवरी 2025 से पहले कटौती की उम्मीद नहीं: रिपोर्ट

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से नीतगत ब्याज दरों में 50 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी इसी तरह के कदम पर विचार कर सकता है, लेकिन इस साल ऐसा होने के आसार कम हैं। रिपोर्ट के अनुसार संभावित रूप से फरवरी 2025 तक दर में भारत का केंद्रीय बैंक कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जिसे हम खुदरा महंगाई दर कहते हैं अगस्त 2024 में सालाना आधार पर 3.65 प्रतिशत के करीब पहुंचते हुए पांच साल के निचले स्तर पर आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में आरबीआई की ओर से किसी भी दर कटौती की उम्मीद कम है। अब तक के अनुमानों के अनुसार 2025 की शुरुआत में संभवत:फरवरी में दर कटौती का फैसला लिया जा सकता है। बीते बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी. श्रीनिवासुलु शेट्टी ने भी साक्षात्कार में ऐसा ही अनुमान जताया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग क्षेत्र के लिए तरलता की चुनौतियां बनी रहेंगी क्योंकि सरकारी नकदी शेष धीरे-धीरे बैंकिंग प्रणाली से बाहर निकल रही है। सितंबर और अक्तूबर में मुद्रास्फीति में अपेक्षित उछाल के बावजूद, आने वाले महीनों में सीपीआई मुद्रास्फीति के 5 प्रतिशत से नीचे या उसके करीब रहने का अनुमान है। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए औसत मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इस तरह, यह आरबीआई के 4-6 प्रतिशत के लक्ष्य सीमा के भीतर रहेगी।

फिजिक्सवाला ने वित्त पोषण चक्र में जुटाए 21 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । शिक्षण प्रौद्योगिकी फिजिक्सवाला ने हॉर्नबिल कैपिटल की अगुवाई में वित्त पोषण चक्र में 21 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसका मूल्यांकन 2.5 गुना बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि मौजूदा निवेशकों जीएसवी और वेस्टब्रिज के साथ लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने भी इस वित्त पोषण चक्र में हिस्सा लिया। बयान के अनुसार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड (पीडब्ल्यू) ने अपने सीरीज बी वित्त पोषण चक्र को पूरा कर लिया है, जिसमें 21 करोड़ डॉलर जुटाए गए हैं। इस निवेश से कंपनी का मूल्यांकन 2.8 अरब डॉलर हो गया है, जो इसके पिछले मूल्यांकन 1.1 अरब डॉलर से 2.5 गुना अधिक है।

अनिल अंबानी की कंपनी में प्रवर्तक 1,100 करोड़ का करेंगे निवेश

मुंबई । उद्योगपति अनिल अंबानी की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में प्रवर्तक 1,100 करोड़ रुपये और मुंबई की दो निवेश कंपनियां 1,910 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में 6,000 करोड़ रुपये की निधि जुटाने की योजना को मंजूरी दी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयर के तरजीही आवंटन और 3,000 करोड़ रुपये संस्थागत खरीदारों को शेयर जारी करके जुटाए जाएंगे। शेयर जारी करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगने वाले कंपनी के पोस्टल बैलट के अनुसार पहले चरण में कंपनी 3,014 करोड़ रुपये का तरजीही नियोजन शुरू कर रही है, जिसके तहत 240 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 12.56 करोड़ शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी किए जाएंगे। इसमें से 1,104 करोड़ रुपये रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रवर्तक कंपनी राइजी इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिये निवेश किए जाएंगे। इस तरजीही नियोजन में हिस्सा लेने वाले दो अन्य निवेशक मुंबई स्थित फॉर्च्यून फाइनेंशियल एंड इक्विटीज सर्विसेज और फ्लोरिंट्री इनोवेशन एलएलपी हैं।

सरकार ने पीएफ निकालने की सीमा 50 हजार से एक लाख की

अब नए कर्मचारी भी धन निकालने के पात्र होंगे

नई दिल्ली ।

भविष्य निधि (पीएफ) के खाताधारकों के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल केंद्र सरकार ने पीएफ निकालने की लिमिट को बढ़ा दिया है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने घोषणा की है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ग्राहक अब व्यक्तिगत जरूरतों के लिए एक बार में 1 लाख रुपए तक निकाल सकते हैं, जो पहले 50,000 रुपए की सीमा थी। श्रम मंत्रालय ने ईपीएफओ के कामकाज में कई बदलाव किए हैं। इनमें लचीलापन बढ़ाने, ग्राहकों के लिए असुविधाएं कम करने के लिए नया डिजिटल ढांचा और नए दिशानिर्देश शामिल हैं। इसके साथ ही अब नए कर्मचारी जिन्होंने अपनी वर्तमान नौकरी में केवल छह महीने पूरे किए हैं, वे भी धन निकालने के पात्र होंगे, जो कि पहले संभव नहीं था। मंत्री मंडाविया ने कहा कि लोग अक्सर शादी और चिकित्सा जैसी जरूरतों के लिए ईपीएफओ की बचत का इस्तेमाल करते हैं। हमने निकासी की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया है क्योंकि पहले की 50,000 की सीमा लोगों की जरूरतों के हिसाब

से कम पड़ रही थी। प्रोविडेंट फंड संगठित क्षेत्र के 10 मिलियन से अधिक कर्मचारियों को रिटायरमेंट के लिए आय प्रदान करता है। ईपीएफओ की बचत पर ब्याज दर, जो वित्त वर्ष 2024 के लिए 8.25 फीसदी तय की गई है, वेतनभोगी मध्यम वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क है। साथ ही 17 ऐसी कंपनियां हैं जिनके कर्मचारियों की संख्या 1 लाख से अधिक है और 1,000 करोड़ रुपए का फंड है। अब यदि वे अपने स्वयं के फंड के बजाय ईपीएफओ में स्विच करना चाहें, तो उन्हें इसकी अनुमति दी जाएगी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.55 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह से शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ ही 83.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती और अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से यह तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कम कीमतों ने भी रुपये को समर्थन दिया, हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.63 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद ये 83.56 प्रति डॉलर पर पहुंच जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गत दिवस अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.65 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी नीचे आकर 100.24 पर रहा।

फेड के ब्याज दर कटौती से भारत में विदेशी निवेश पर नहीं होगा असर: आर्थिक सचिव

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती का भारत में विदेशी निवेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि फेडरल रिजर्व ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा फैसला किया है। लेकिन आरबीआई भारतीय अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखकर कटौती का फैसला करेगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक का फैसला भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। हमें देखना होगा कि अमेरिकी ब्याज दरों का स्तर कहां है? अन्य बाजार कैसा व्यवहार करते हैं। फेडरल रिजर्व ने बुधवार देर रात चार साल बाद ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। सेठ ने कहा कि भारत में ब्याज दर में कटौती पर फैसला आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) उचित समय पर लेगी। एमपीसी का फैसला इस पर आधारित है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए क्या अच्छा है। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक अगले महीने होनी है। फरवरी, 2023 से रेपो दर में बदलाव नहीं हुआ है और यह 6.5 फीसदी पर स्थिर है। भारत के एक आर्थिक सलाहकार ने कहा कि फेडरल रिजर्व के कदम का असर भारत पर कम होगा, क्योंकि नीतिगत दर पहले से ही बहुत ज्यादा थी। भारतीय शेयर बाजार पहले से ही निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। कुल मिलाकर दर में कटौती उभरते बाजारों के लिए सकारात्मक है।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद

- सेंसेक्स पहली बार 84 हजार के ऊपर पहुंचा
- निफ्टी भी 25 हजार के ऊपर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार शुक्रवार को रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंक शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पहली बार 84 हजार के ऊपर पहुंचा। वहीं एनएसई निफ्टी भी रिकॉर्ड 25,800 के स्तर पर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1359.51 अंक करीब 1.63 फीसदी बढ़कर 84,544.31 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 375.15 अंक तकरीबन 1.48 फीसदी बढ़कर 25,790.95 के नए स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में से 26 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्यू स्टील, एलएंडटी और भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं नेस्ले इंडिया, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, एचसीएल टेक, रिलायंस, सन फार्मा, इंफोसिस, टाइटन, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी उछले। दूसरी ओर सेंसेक्स के 4 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें एसबीआई , इंडसइंड बैंक, टीसीएस और बजाज फाइनैंस के शेयर शामिल रहे। जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दर में की गयी कटौती से एशियाई और दुनिया भर के बाजारों को जो सकारात्मक संकेत गया। उससे भारतीय बाजार को भी लाभ हुआ है। आज कोरोबार के दौरान एशियाई बाजारों में निक्की 1.68 फीसदी बढ़ा जबकि एएसएक्स 200 0.05 फीसदी बढ़ा और हैंग

सेंग 0.88 फीसदी उछला।

वहीं अमेरिकी बाजार में, एसएंडपी 500 रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल 1.26 फीसदी की बढ़त के साथ ही पहली बार 42,000 से ऊपर निकल गया। इसके अलावा नैस्डैक और एसएंडपी 500 में 2.51 फीसदी और 1.70 फीसदी की बढ़त रही। ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील सेक्टर्स, जैसे बैंक, रियल एस्टेट और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी व्यापार में तेजी देखी गई। निफ्टी बैंक इंडेक्स 0.98 फीसदी बढ़कर 53,559.35 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ऑटो इंडेक्स इंट्राडे ट्रेडिंग में 1.73 फीसदी की बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। बाजार खुलते ही बीएसई सेंसेक्स 421 अंकों की बढ़त के साथ 0.51 फीसदी ऊपर आकर 83,606 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 112 अंक की बढ़त के साथ 25,528 पर कारोबार करता नजर आया।

ऑनलाइन सामान मंगाना होगा सस्ता, लाजिस्टिक लागत कम करेगी सरकार

नई दिल्ली ।

सरकार अगले 5 सालों में लॉजिस्टिक्स लागत कम करने की योजना बना रही है। अगर ऐसा होता है तो ऑनलाइन मंगाए जाने वाले सामान के साथ खाने-पीने और दूसरी चीजों की कीमत में कमी आ सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लॉजिस्टिक्स लागत कम करने की बात कही। उन्होंने डेलॉयट गवर्नमेंट समिट में कहा कि मिनिस्ट्री कई हाईवे और एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है। इससे भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद मिलेगी। गडकरी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में हमारी लॉजिस्टिक्स लागत सिंगल डिजिट में आ जाएगी। हालांकि इकनॉमिक रिसर्च संस्थान टैंक नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के अनुमान के अनुसार भारत में लॉजिस्टिक्स लागत 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 7.8 फीसदी से 8.9 फीसदी के बीच थी। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर वन बनाना है। भारत पिछले साल जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोटर वाहन बाजार बन गया था। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन थे। गडकरी ने कहा कि भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 2014 में 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 22 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि अगर हम किसानों की क्रय शक्ति बढ़ा सकें तो

इसका हमारी अर्थव्यवस्था पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। गडकरी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत को अपना निर्यात बढ़ाने और आयात कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए स्मार्ट शहरों की तरह स्मार्ट गांव भी जरूरी हैं।

बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दर 0.25 फीसदी पर स्थिर रखा

नई दिल्ली । जापान के केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ जापान) ने शुक्रवार को अपनी दो दिवसीय बैठक के बाद अपनी प्रमुख ब्याज दर को 0.25 फीसदी पर स्थिर रखा, जो 2008 के बाद से सबसे ऊंची दर है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्रीय बैंक ने लंबे समय से अपनाई गई बेहद आसान मौद्रिक नीति को सामान्य करने के प्रयास में यह कदम उठाया है ताकि देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचे। बैंक ऑफ जापान ने कहा कि जापान की अर्थव्यवस्था ने मध्यम रूप से सुधार किया है लेकिन कुछ कमजोरियां भी नजर आ रही हैं। बैंक का अनुमान है कि अर्थव्यवस्था अपनी संभावित विकास दर से तेज गति से बढ़ती रहेगी, क्योंकि आय से खर्च तक का गुणक चक्र धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। बैंक ऑफ जापान ने बताया कि देश की मुख्य मुद्रास्फीति दर वित्तीय वर्ष 2025 तक बढ़ती रहेगी। जापान का वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक चलता है यानी 2025 का वित्तीय वर्ष मार्च 2026 में समाप्त होगा।

आईआईएफएल के शेयर में 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन कारोबार पर लगी रोक हटा ली है। इस खबर का असर शुक्रवार को कंपनी के शेयर पर देखने को मिला। आईआईएफएल का शेयर सुबह 9 फीसदी से ज्यादा चढ़कर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान शेयर 9.55 फीसदी या 47.35 रुपए चढ़कर 543.30 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि आरबीआई ने गुरुवार को आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन कारोबार पर लगी रोक हटा ली है। आरबीआई का यह निर्णय तुरंत प्रभाव से लागू होगा। बता दें कि 4 मार्च, 2024 को कंपनी पर प्रतिबंध लगाया गया था, जिसके तहत आईआईएफएल फाइनेंस को गोल्ड लोन देने और वितरित करने से रोक दिया गया था। अब छह महीने बाद कंपनी को इस प्रतिबंध से राहत मिली है। आईआईएफएल फाइनेंस ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 सितंबर, को सूचना के माध्यम से गोल्ड लोन कारोबार पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह उच्चतम अनुपालन मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगी कि आवश्यक सुधारात्मक कदम जारी रहें। प्रतिबंध हटने की खबर के बावजूद आईआईएफएल फाइनेंस के शेयर गुरुवार को 5.75 फीसदी गिरकर 498 रुपए पर बंद हुए।

एलएंडटी ने आईएफक्यूएम में 12.25 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग व निर्माण क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) के 1,25,00,000 शेयर खरीदे हैं। यह कंपनी में 12.25 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। कंपनी के अनुसार यह अधिग्रहण उत्पाद व सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के जरिये ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने की एलएंडटी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि कंपनी को इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) के 1,25,00,000 शेयर आवंटित किए गए हैं, जो आईएफक्यूएम में 12.25 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

कंपनी सूचना के अनुसार यह अधिग्रहण 12.5 करोड़ रुपये में किया गया। लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह

इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं, उन्त विनिर्माण व सेवाओं के कारोबार में है।

देश में ईवी के लिए बनेंगे 74,300 चार्जिंग केंद्र

ईवीपीसीएस पर अनुमानित 2 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) चार्जिंग स्टेशन बनाने और उसके संचालन के दिशा निर्देश में बदलाव कर संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार की कवायद हाल ही में पेश की गई 10,900 करोड़ रुपये की पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हासमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के बाद की गई है, जिसमें पूरे देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचा बनाने पर ध्यान दिया गया है। इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) की स्थापना को बढ़ावा देकर ईवी खरीदारों की चिंता को भी दूर करने का प्रयास किया गया है। ये ईवीपीसीएस वैसे शहरों और राजमार्गों पर लगाए जाएंगे जहां बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहन हैं। कुल मिलाकर 74,300 चार्जर लगाए जाएंगे, जिसमें इलेक्ट्रिक कारों के लिए 22,100 फास्ट चार्जर, इलेक्ट्रिक बसों के लिए 1,800 फास्ट चार्जर और इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की चार्जिंग के लिए 48,400 फास्टर चार्जर शामिल हैं। ईवीपीसीएस पर अनुमानित 2 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। विद्युत मंत्रालय द्वारा 18 सितंबर को जारी किए गए दिशानिर्देशों का मकसद सरकार और निजी कंपनियों के बीच एक नए राजस्व साझाकरण मॉडल के जरिये सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने का है। यह दिशानिर्देश ईवी चार्जिंग वाली जगहों की एक विस्तृत श्रृंखला लागू करने के लिए भी तय की गई है। इनमें निजी पार्किंग स्थल और कार्यालय भवन, शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल और ग्रुप आवासीय सोसायटी जैसे अर्ध प्रतिबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सार्वजनिक स्थानों में वाणिज्यिक परिसर, रेलवे स्टेशन, पेट्रोल पंप, हवाई अड्डा, मेट्रो स्टेशन, शॉपिंग मॉल, नगरपालिका की पार्किंग, हाईवे, एक्सप्रेस वे जैसे स्थल शामिल किए गए हैं। विद्युत मंत्रालय ने पहली बार साल 2018 में 14 दिसंबर को ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के मानक जारी किए थे। तब से अब तक ईवी क्षेत्र की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए उनमें पांच बार बदलाव किया जा चुका है।

आईफोन 16 सीरीज की भारत में जोरदार ऑफर के साथ सेल शुरू

नई दिल्ली ।

एप्पल आईफोन 16 और 16 प्रो सीरीज़ की बिक्री भारत में शुक्रवार 20 सितंबर से शुरू हो गई है। नए आईफोन 16 सीरीज़ मॉडल की प्री-ऑर्डर बुकिंग 13 सितंबर से भारत समेत कई अन्य देशों में शुरू हुई थी, और अब जो लोग इसे पहले से ऑर्डर कर चुके हैं, उन्हें शुक्रवार सुबह 8 बजे से अपने नए आईफोन मिलने शुरू हो गए हैं। एप्पल स्टोर के दरवाजे सुबह 8 बजे खोल दिए गए और इसके साथ ही ग्राहकों की आईफोन स्टोर पर भी लंबी लाइन देखने को मिली। आईफोन एप्पल बीकेसी स्टोर मुंबई या एप्पल साकेट स्टोर दिल्ली में मिल रहे हैं। इसके अलावा वे देशभर में मौजूद अधिकृत रीसेलर्स पर भी निर्भर कर सकते हैं या फिर ऑनलाइन डिलीवरी का इंतजार कर सकते हैं। एप्पल स्टोर खुलने से पहले ही सुबह-सुबह लोग स्टोर के बाहर दौड़ते हुए दिखे। आईफोन को लेकर ऐसा ही क्रेज पिछली बार भी देखा गया था जब आईफोन 15 लॉन्च हुआ था। अगर आपके पास कुछ चुनिंदा बैंक कार्ड्स हैं, तो आपको इन ऑफर्स के तहत अतिरिक्त कैशबैक का फायदा मिल सकता है। इसलिए, अगर आप एप्पल का नया प्रोडक्ट खरीदने की सोच रहे हैं, तो रजिस्टर पर भुगतान करने से पहले इन बैंक ऑफर्स को जरूर चेक करें। ये ऑफर्स आपको अच्छी बचत का मौका दे सकते हैं। कंपनी कुछ बैंक कार्ड्स पर 5000 रुपये तक का डिस्काउंट दे रही है।

यह डिस्काउंट स्पेशल लॉन्च ऑफर के तहत चुनिंदा बैंक कार्ड्स पर उपलब्ध है। अगर आप सही बैंक कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो आप इस ऑफर का फायदा उठाकर अपने पसंदीदा आईफोन 16 को कम कीमत में खरीद सकते हैं।

भारत / बांग्लादेश पहला टेस्टः दूसरी पारी में भी रोहित-कोहली रहे फ्लॉप, भारत ने बनाई 308 रन की बढ़त

चेन्नई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। चेन्नई टेस्ट के दूसरे दिन भारत की पहली पारी 376 रनों पर सिमट गई है। इसके जवाब में भारतीय गेंदबाजों के आगे बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए। बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 149 रन ही बना सकी। भारत को पहली पारी के आधार पर 227 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली फ्लॉप साबित हुए।

जहां रोहित शर्मा ने महज 5 रन बनाए, वहीं यशस्वी जायसवाल खराब शॉट खेलकर आउट हो गए। यशस्वी ने 17 गेंद में 10 रन बनाए। विराट कोहली अच्छी लय में नजर आ रहे थे लेकिन 20वें ओवर में एलबीडब्ल्यू हो गए। कोहली ने 37 गेंद में 17 रन बनाए। विराट कोहली अच्छी लय में नजर आ रहे थे लेकिन 20वें ओवर में एलबीडब्ल्यू हो गए। कोहली ने 37 गेंद में 17 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट खोकर 81 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल (33) और ऋषभ पंत (12) क्रीज पर मौजूद हैं। भारत ने 308 रनों की बढ़त बना ली है।

इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में शादमान इस्लाम को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद आकाश दीप ने जाकिर हसन और मोमिनउल हक का शिकार एक ही ओवर में किया। लंच ब्रेक के बाद मोहम्मद सिराज ने शांतो को आउट कर बांग्लादेश को चौथा झटका दिया। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने मुशफिकुर को अपना शिकार बनाया। रविंद्र जडेजा ने दो सेट बल्लेबाज लिटन दास और शाकिब अल हसन के रूप में दो बड़ी मछलियां फंसा बांग्लादेश की कमर तोड़ दी।

बुमराह ने टी-ब्रेक से पहले हसन को पवेलियन का रास्ता दिखाया। इसके बाद तीसरे सेशल में बुमराह ने तस्कीन को क्लीन बोल्ड किया। सिराज ने नाहिद राणा को क्लीन बोल्ड करके बांग्लादेश की पहली पारी का अंत किया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4, सिराज-जडेजा और आकाश दीप को 2-2 विकेट मिले। बांग्लादेश के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए।

धनुष ने जूनियर वेटलिफ्टिंग विश्व चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

लियोन (स्पेन) (एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलक लोगानाथन धनुष ने शुक्रवार को यहां आईडब्ल्यूएफ जूनियर विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप के 55 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता। यह जूनियर भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप में किसी भारतीय पुरुष एथलीट का पहला पदक है। इस 17 वर्षीय भारोत्तोलक ने कुल 231 किग्रा का वजन उठाया और स्नैच स्पर्धा में 107 किग्रा का वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

धनुष ने ग्रुप बी में हिस्सा लिया। ज्यादा वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों को ग्रुप ए में रखा जाता है। इसके बाद ग्रुप बी और अन्य ग्रुप होते हैं। वह क्लीन एवं जर्क वर्ग में 124 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से 13वें स्थान पर रहे। ग्रुप ए सत्र के खत्म होने तक धनुष बैठे रहे। उन्होंने आईडब्ल्यूएफ से कहा, 'जैसे जैसे स्पर्धा आगे बढ़ रही थी, मैं और नर्वस हो गया था। लेकिन मैंने पदक जीतने के बारे में कभी नहीं सोचा था।' वियतनाम के के डुओंग ने 253 किग्रा से स्वर्ण जबकि जापान के तोमारी कोटारो ने 247 किग्रा से रजत पदक जीता। महिलाओं की स्पर्धा में पायल 45 किग्रा वजन वर्ग में कुल 150 किग्रा के वजन से छठे स्थान पर रही। इस टूर्नामेंट में नौ भारतीय भारोत्तोलक हिस्सा ले रहे हैं।

पिछले ढाई साल में भारतीय टीम ने जीते हैं 12 टेस्ट, रोहित , विराट और अश्विन की रही है अहम भूमिका

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले ढाई साल में 21 टेस्ट मैच खेलते हुए 12 में जीत हासिल की है जबकि सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। सबसे अहम बात ये है कि उसकी जीत में तीन खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली , शुभमन गिल और दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की अहम भूमिका रही है। इस दौरान रोहित ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 27 पारियों में करीब 42 की औसत से 1090 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने 29 पारियों में 1083 रन बनाए और उनकी औसत 38.67 रही। शुभमन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 31 पारियों में 37.17 की औसत से 1078 रन बनाए हैं। इन दोनों बल्लेबाजों के नाम चार-चार शतक और तीन-तीन अर्धशतक हैं, जबकि विराट कोहली के नाम दो शतक और तीन अर्धशतक हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 2023 में पदार्पण के बाद 1028 रन बनाये हैं, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो रविचंद्रन अश्विन ने 21 मैचों में 2.81 की इकॉनमी रेट से सबसे अधिक 103 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह आते हैं। जडेजा ने 16 मैचों में 2.62 की इकॉनमी से 67 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह ने 12 मैचों में लगभग तीन की इकॉनमी से 58 विकेट लिए हैं जबकि मोहम्मद सिराज ने 18 मैचों में 44 विकेट लिए हैं। भारत ने अपनी पिछली टेस्ट सीरीज मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल की थी।

गंभीर की कोचिंग में टीम और सफलताएं हासिल करेगी: द्रविड़

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने नये कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके मार्गदर्शन में टीम और अधिक सफलता हासिल करेगी। द्रविड़ ने कहा कि गंभीर को काफी अनुभव है, ऐसे में उनके आने से भारतीय टीम को लाभ होगा। साथ ही कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर भी गंभीर को लंबा अनुभव है जिसका भी लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने आईपीएल में काफी कोचिंग की है। मुझे भरोसा है कि वह भारतीय टीम के कोच की भूमिका में सफल साबित होंगे। द्रविड़ के कोच रहते हुए भारतीय टीम ने खेल के तीनों प्रारूप में अच्छी सफलता हासिल की थी। टीम ने 24 टेस्ट में 14 में जीत दर्ज की जबकि 53 में से 36 एकदिवसीय और 70 में से 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत दर्ज की थी हालांकि टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा पर इस साल टी20 विश्व कप में टीम जीती थी। गंभीर का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर शुरू हुआ जहां भारतीय टीम को टी20 सीरीज में जीत मिली जबकि एकदिवसीय श्रृंखला में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंभीर ने भारतीय टीम के लिए 164 टेस्ट में 13288 और 344 एकदिवसीय में 10889 रन बनाये हैं। द्रविड़ ने कहा, ''कोई भी कोच हालातों से निपटने के लिए अपने अनुभव और ज्ञान का इस्तेमाल करता है। मुझे भरोसा है कि गंभीर भी अपने सहयोगी स्टाफ के साथ जो भी फैसले लेंगे उससे टीम को लाभ ही होगा।

भारतीय टीम को अगले कुछ महीने में करीब दस टेस्ट मैच खेलने हैं बांग्लादेश के अलावा उसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अगले साल इंग्लैंड दौरे पर भी जाना है।

बाबर आजम लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेजी से 30 वां शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

लाहौर । पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम आजकल घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट चैंपियंस लीग में खेल रहे हैं। यहां बाबर ने शतक लगाकर अपने आलोचकों को जवाब देने का प्रयास किया है। उनका ये शतक काफी समय बाद आया है। बाबर इस शतक के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 30वां शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं और उन्होंने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। बाबर चैंपियंस कप में स्टालियंस टीम की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने 100 गेंदों में नाबाद 104 रन बनाये। बाबर के नाबाद शतक के बल पर स्टालियंस ने डॉल्फिन टीम के खिलाफ 50 ओवर में ही 271 रन बना दिये। इसके बाद स्टालियंस के गेंदबाजों ने डॉल्फिन के बल्लेबाजों को समेट दिया और टीम सस्ते में ही सिमट गयी। इस प्रकार स्टालियंस ने यह मैच 174 रनों से जीत लिया। आजम ने 180 पारियों में अपना 30वां लिस्ट ए क्रिकेट का शतक लगाया जबकि विराट ने ये आंकड़ा 199 पारियां में हासिल किया था। इस सूची में साउथ अफ्रीका के अनुभवी क्रिकेटर हाशिम अमला भी शामिल हैं। उन्होंने 259 पारियों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। वहीं न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल 259 पारियों मे साथ चौथे नंबर पर रहे हैं। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने 262 पारियों में लिस्ट ए क्रिकेट का 30वां शतक लगाया था।

जसप्रीत बुमराह ने चेन्नई में किया कमाल, 400 इंटरनेशनल विकेट लेकर रचा इतिहास

चेन्नई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में खेले जा रहे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी की। इस दौरान बुमराह ने इस मुकाबले में 400 इंटरनेशनल विकेट पूरे कर लिए हैं। वे भारत की ओर से 400 या उससे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले 10वें गेंदबाज हैं। बुमराह ने पूर्व भारतीय गेंदबाज हरभजन सिंह का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके साथ ही वे एक खास लिस्ट में भी शामिल हो गए हैं।

बुमराह ने भारत के लिए अभी तक 196 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान 227 पारियों में खबर लिखने तक 400 विकेट झटके, बुमराह का एक पारी में 19 रन देकर 6 विकेट लेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। बुमराह ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में भी घातक गेंदबाजी की है।

बुमराह ने हरभजन सिंह का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने भारत के लिए सबसे कम पारियों में 400 विकेट लेने के मामले में भज्जी को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह ने 227 पारियों में ये कारनामा किया है। जबकि हरभजन सिंह ने 237 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। इस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं, उन्होंने 216 पारियों में 400 विकेट ले लिए थे। जबकि कपिल देव ने 220 पारियों में 400 विकेट पूरे किए थे।

बांग्लादेश के खिलाफ अश्विन को नहीं मिला विकेट, 8 साल में पहली बार हुआ ऐसा

चेन्नई । स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में बल्ले से बेहतरीन कमाल किया। जिस पिच पर भारत के टॉप बल्लेबाज नहीं टिक पाए वहां अश्विन ने बल्ले से शतक लगाया। वह पहली पारी में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। लेकिन वह गेंदबाजी में कुछ कमाल नहीं दिखा पाए और खाली हाथ रहे। अश्विन ने बल्ले से तो कमाल किया लेकिन गेंद से बांग्लादेश बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाने में असफल रहे। बांग्लादेश की पहली पारी में अश्विन के खाते में एक भी विकेट नहीं आया। भारत की पहली पारी में 376 रन के स्कोर के जवाब में बांग्लादेश केवल 149 रन बनाकर आउट हो गई। इसमें अश्विन के हाथ एक भी विकेट नहीं आया। 8 साल में ये पहला मौका था जब चेन्नई में अश्विन पहली पारी में खाली हाथ रहे। इससे पहले साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ऐसा हुआ था जब अश्विन पूरे मैच में विकेट नहीं झटक पाए थे। अश्विन के पूरे करियर में ये पहला मौका था जब वह किसी टेस्ट मैच की पहली पारी में विकेट नहीं ले पाए थे। हालांकि, चेन्नई में अश्विन के पास अभी भी मौका है, वह दूसरी पारी में विकेट चटका सकते हैं।

हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पहले एकदिवसीय में इंग्लैंड को हराया

नौटिंघम (एजेंसी)। ओपनर ट्रेविस हेड के शानदार शतक के बाद मार्नस लैबुशेन के ऑलराउंड प्रदर्श से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इस प्रकार 5 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी है। ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय में यह लगातार 13वीं जीत है। इसमें हेड ने 154 रन की नाबाद पारी खेली जबकि लैबुशेन ने 3 विकेट के साथ ही 77 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले 316 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 44 ओवरों में ही हासिल कर लिया। हेड ने 129 गेंदों पर नाबाद 154 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 5 छक्के शामिल थे, वहीं लैबुशेन ने 61 गेंदों पर 77 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और दो छक्के लगाये। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 148 रन बनाये। वहीं कप्तान मिचेल मार्श 10 रन बनाकर आउट हुए जबकि स्टीवन स्मिथ ने 32 रन बनाये। कैमरन ग्रीन ने 32 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से मैथ्यू पॉट्स, लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बाथेल ने एक एक विकेट लिया.

इससे पहले मेजबान इंग्लैंड टीम ने बेन डकेट के 95 रन और विल जैक्स के 62 रनों की सहायता से 315 रन बनाए। डकेट ने 91 गेंद में 11 चौके लगाये जबकि जैक्स ने पांच चौके और दो छक्के मारे। कप्तान हैरी ब्रुक ने 39 और जैकब बेथेल ने 35 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा और मार्नस लैबुशेन ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि हेड ने दो विकेट लिए।

बुमराह और विराट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अहम भूमिका निभाएंग : स्टीव वॉ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। वॉ के अनुसार इन दोनो के प्रदर्शन पर ही भारतीय टीम की जीत टिकी रहेगी। वॉ ने भारतीय टीम की जीत की संभावनाओं को लेकर कहा, भारतीय टीम के पास इस बार ऑस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करने का अच्छा अवसर है। उनकी गेंदबाजी आक्रमण बेहद मजबूत है। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों के साथ-साथ रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव जैसे बेहतरीन स्पिनर भी उनके पास हैं। वहीं बल्लेबाजी में उसके पास विराट जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। वॉ ने कहा कि बुमराह पर भारतीय टीम की जीत का दारोमदार रहेगा। बुमराह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है और जितना अधिक विकेट वह लेगा, उतना ही टीम दबाव बनाने में सफल रहेगी। वहीं कोहली पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। वॉ ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पास भी एक शानदार टीम है और उसका गेंदबाजी आक्रमण भी बेहतरीन है। ऐसे में विश्व की दो शीर्ष स्तर की टीमों के बीच होने वाला ये मुकाबला बेहतर रोमांचक होगा। ऐसे में मुझे उम्मीद रहेगी कि यह एक बेहतरीन सीरीज रहेगी। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की है। इसमें साल 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर मिली दो ऐतिहासिक जीत भी शामिल हैं। भारतीय टीम को आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज के अलावा कुल दस टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अंतिम बार सीरीज 2014-15 में जीती थी, जबकि भारतीय धरती पर उसे अंतिम जीत 2004-05 में मिली थी।

टीम की जरुरत के हिसाब से किसी भी क्रम पर खेलने तैयार हूं : मनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह टीम की जरुरत के हिसाब से किसी भी स्थान पर खेलने को तैयार रहते हैं। इसी कारण कई बार वह रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी संभालते हुए भी नजर आते हैं। इसके साथ ही उनका लक्ष्य अगले ओलंपिक में भी खेलना हैं। मनप्रीत के लिए हालांकि ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि वह 32 साल के हैं और ऐसे में उनको अगले ओलंपिक में खेलने के लिए अपनी फिननेस का विशेष ध्यान रखना होगा क्योंकि तब तक वह 36 साल के होंगे। मनप्रीत ने अब तक चार ओलंपिक खेलें है। जिसमें भारतीय टीम को दो कांस्य पदक मिले हैं।

मनप्रीत ने कहा, 'मेरा लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी खेलना है पर सब कुछ मेरी फिटनेस पर आधारित रहेगा। अगर मैं अपनी फिटनेस बनाए रखता हूं और अच्छा प्रदर्शन करता रहता हूं तो मैं निश्चित तौर पर अगले ओलंपिक में खेलूंगा।

मनप्रीत को फिटनेस को लेकर अभी तक किसी खास समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और उन्हें उम्मीद है कि वह आगे भी अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। अभी तक 378 अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 गोल करने वाले मनप्रीत का लक्ष्य अपने इस प्रदर्शन को बनाये रखना है।

मनप्रीत ने कहा, 'मैं टीम की जरूरत के हिसाब से हमेशा हर तरह की स्थिति में खेलने के लिए तैयार रहता हूं और किसी भी पोजीशन में फिट हो जाता हूं। पेरिस ओलंपिक में ब्रिटेन के खिलाफ हुए मैच में उन्होंने रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी संभाली थी।

जो यहां हो रहा उसे दुनिया देख रही... पाकिस्तानी गेंदबाज ने पीसीबी अध्यक्ष दावे की खोली पोल

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कुछ दिन पहले अपने घरेलू क्रिकेट की तारीफ की थी। जहां उन्होंने कहा कि, सेलेक्टर्स के लिए खिलाड़ियों का अच्छा पूल तैयार हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज फहीम अशरफ ने नकवी के दावे की पोल खोल दी। उन्होंने बता कि घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग का स्तर बहुत गिरा हुआ है। मोहसिन नकवी का मानना है कि 150 खिलाड़ियों के चयन में एआई की मदद से चैंपियन कप घरेलू क्रिकेट को मजबूत करेगा और भविष्य के चयन के लिए पारदर्शी रिकॉर्ड प्रदान करेगा। उन्होंने कहा था कि, हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे, जिनके रिकॉर्ड हमारे पास नहीं थे। ये कप घरेलू क्रिकेट को मजबूत बनाएगा। हमारे पास 150 खिलाड़ियों का पूल होगा और पिर हमें जो सर्जरी करनी है, वह चयन समिति करेगी। चैंपियंस कप सितंबर में खत्म होगा। फिर सभी के लिए रिकॉर्ड होंगे। हालांकि, चैंपियंस कप में मैच खत्म होने के बाद फहीम अशरफ ने अंपायरिंग पर बात की। उन्होंने कहा कि, घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग का स्तर अच्छा नहीं है। ऐसे ही है जैसा यहां है लेकिन यहां सबको दिख रहा है। सभी को पता है वहां घरेलू क्रिकेट में कैसे अंपायरिंग होती है। कभी हम उनसे नंबर बनाते हैं कभी वह। वहां दोस्ती यारी चलती है। कोई उन मैचों को देखता नहीं है। इसलिए वहां कुछ भी होता है। हमारे लड़के ऐसे हैं कि कोई आउट होने के बाद आउट नहीं मानते। कुछ गेंदबाज ऐसे हैं जो कहते हैं आउट है, आउट है आउट है। पीसीबी को देखना चाहिए किसको कहां रखना चाहिए।

इस मैदान पर अपना 300वां विकेट लेने का यह अच्छा मौका है : रविंद्र जडेजा

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज हरफनमौला रविंद्र जडेजा को उम्मीद है कि वह प्रतिष्ठित चेपॉक स्टेडियम में अपना 300वां विकेट लेने में सफल रहेंगे। जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले के दूसरे दिन के खेल के बाद कहा कि प्रतिद्वंद्वी टीम जब दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरेगी तो सभी भारतीय गेंदबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। जडेजा ने बांग्लादेश की पहली पारी में दो विकेट चटकाए जिससे इस प्रारूप में उनके विकेट की संख्या 296 हो गई। उन्होंने शाकिब अल हसन और लिटन दास के अहम विकेट चटकाने से पहले बल्ले से 86 रनों की शानदार पारी खेली। जडेजा ने इस दौरान शतकवीर रविचंद्रन अश्विन (113) के साथ सातवें विकेट के लिए 199 रन जोड़े। जडेजा अपने शतक की तरफ मजबूती से बढ़ रहे थे लेकिन वह तस्कीन अहमद की गेंद पर आउट हो गए।

जडेजा ने दिन के खेल के बाद कहा कि मैं आज आउट हो गया लेकिन यह खेल का हिस्सा है। अब हमें दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना होगा। मैं अपनी गेंदबाजी से बहुत खुश हूं। इस मैदान पर 300वां विकेट लेने का यह अच्छा मौका है। बांग्लादेश की पहली पारी को 149 रन पर समेटने के बाद भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 81 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 308 रन कर मैच पर पकड़ काफी मजबूत कर ली है। भारत ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए।

जडेजा ने तीसरे दिन के लिए टीम की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पहले हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी, हमें यहां से लगभग 120-150 का स्कोर बनाना होगा। हम इसके बाद गेंदबाजी के दौरान उन्हें जल्द से जल्द आउट करने का प्रयास करेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स फ्रैंचाइजी से लंबे समय से जुड़े जडेजा इस मैदान से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि यहां पिच अब भी बल्लेबाजी के लिए अच्छी है लेकिन इसमें तेज गेंदबाजों के लिए मदद है। कुछ गेंद स्विंग हो रही हैं। तेज गेंदबाज अगर सीम का अच्छा इस्तेमाल करें तो इससे बल्लेबाजों को परेशानी हो रही है।

जडेजा और अश्विन ने 199 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला। भारतीय टीम 144 रन पर 6 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। जडेजा ने स्थानीय खिलाड़ी अश्विन के साथ साझेदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सबसे पहली बात तो यह कि अश्विन को किसी सलाह की जरूरत नहीं है। मैं बस उनसे कर रहा था कि हम गलत शॉट खेलने से बचेंगे। उस समय विकेट बहुत अच्छा था और हम दोनों बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं राई-सरसों

भूमि की तैयारी : (अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम

अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपजः- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के 'ब्रिक्स' में शामिल होने के प्रयास का समर्थन करेगा रूस

मास्को, एजेंसी। ब्रिक्स की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन द्वारा की गई थी। दक्षिण अफ्रीका 2011 में इसमें शामिल हुआ था। एक जनवरी, 2024 को मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और इथियोपिया इसके पूर्ण सदस्य बन गए। रूस ने बुधवार को कहा कि वह 'ब्रिक्स' में शामिल होने के पाकिस्तान के प्रयास का समर्थन करेगा। रूस ने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार व सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देकर अपने संबंधों को और मजबूत करने का फैसला किया है। रूस के उपप्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ वार्ता के बाद संवाददाताओं से कहा, हमें खुशी है कि पाकिस्तान ने (सदस्यता के लिए) आवेदन किया है। ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन मित्रवत संगठन हैं। हम इसका समर्थन करेंगे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने ओवरचुक के हवाले से बताया, पिछले एक वर्ष में हमने ब्रिक्स का महत्वपूर्ण विस्तार देखा है और दुनिया भर के देश इसमें शामिल होने में बहुत रुचि दिखा रहे हैं। ब्रिक्स की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन द्वारा की गई थी। दक्षिण अफ्रीका 2011 में इसमें शामिल हुआ था। एक जनवरी, 2024 को मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और इथियोपिया इसके पूर्ण सदस्य बन गए।

संवैधानिक संशोधनों का उद्देश्य तीन शीर्ष अधिकारियों को सेवा विस्तार देना : इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार फरवरी में हुए आम चुनावों में धांधली की जांच पर पर्दा डालने के लिए तीन शीर्ष अधिकारियों की सेवा अवधि बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन पर काम कर रही है। खान, उच्चतम न्यायालय से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को जीत से वंचित करने के लिए चुनाव में हुई हेरफेर और नौ मई, 2023 को हुई हिंसा में उनकी पार्टी को फंसाने के लिए साजिश रचने के आरोपों की जांच की मांग कर रहे हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद खान ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले चुनावों में हार के बावजूद सरकार चुनाव परिणामों में हेरफेर पर अब अपने बचाव और सत्ता में बैठे अधिकारियों को बचाने के लिए इन संशोधनों का सहारा ले रही है। खान ने कहा, वे (सरकार) अपने तीन प्यादों के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कहा कि उनका मतलब प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा से था। खान ने चेतावनी दी कि अगर प्रधान न्यायाधीश ईसा को हटाया जाता है तो नौ मई को हुए विरोध प्रदर्शनों और चुनावों में कथित धांधली की जांच शुरू हो जाएगी। खान ने सरकार पर उनकी पार्टी को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर नये प्रधान न्यायाधीश पदभार ग्रहण करते हैं तो नौ मई की घटना की वास्तविकता सामने आ जाएगी।

क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हुआ है : अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। किर्बी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में

अमेरिका के गठबंधन सहयोगियों एवं साझेदारों को और मजबूत करने के उद्देश्य से वहां निवेश करना बाइडन की प्राथमिकता रही है। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि डेलावेयर में होने वाला आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन यह दर्शाएगा कि चार देशों का यह समूह पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार निदेशक जॉन किर्बी ने वाशिंगटन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमारा मानना है कि इस शिखर सम्मेलन में आप यह देखेंगे कि क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और अधिक प्रासंगिक हुआ है।'' किर्बी ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रपति जो बाइडन शनिवार को डेलावेयर के विलमिंगटन में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के अन्य तीन सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेताओं के साथ वार्ता करने वाले हैं। किर्बी ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका के राष्ट्रपति अपने गृहनगर विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। किर्बी ने कहा कि जो बाइडन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस से अलग-अलग मुलाकात करेंगे तथा बाद में एक पूर्ण अधिवेशन में उनसे चर्चा करेंगे। किर्बी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के गठबंधन सहयोगियों एवं साझेदारों को और मजबूत करने के उद्देश्य से वहां निवेश करना बाइडन की प्राथमिकता रही है।

हम सरकार बनाने जा रहे, श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एनपीपी नेता दिसानायके का बड़ा दावा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में अगले हफ्ते राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसी को लेकर सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इस बीच, नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमार दिसानायके ने आगामी चुनाव के लिए अपना अभियान पूरा कर लिया है। उन्होंने दावा किया है कि वह इस साल का चुनाव जीतने जा रहे हैं।

इस दिन होना है मतदान : बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए 21 सितंबर को मतदान होना है। ऐसे में 48 घंटे पहले यानी बुधवार को प्रचार अभियानों पर रोक लगा दी गई है। मतदान शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक 13,400 से अधिक मतदान केंद्रों पर होगा। यहां 1.7 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं।

निश्चित रूप से बनाएंगे सरकार : जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के नेता दिसानायके ने कोलंबो के घनी आबादी वाले नुगेगोडा में अपनी अंतिम रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जीत सुनिश्चित है। हम 22 सितंबर की सुबह राष्ट्रपति पद पर जीत हासिल कर निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि उनकी एनपीपी जीत के बाद संपूर्ण शासन और सामाजिक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने यह भी कहा, हमारे पास तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों के लोगों का अविश्वसनीय समर्थन है। हमारी सरकार एक सच्ची श्रीलंकाई सरकार होगी, जो कठिन संघर्षों

के वर्षों के दौरान केवल एक सपना ही रह गई थी।

क्या है एनपीपी और जेवीपी में रिश्ता : गौरतलब है, दिसानायके नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के प्रमुख हैं, जो समान विचारधारा वाले समूहों का गठबंधन है। लेकिन वह मुख्य रूप से 2014 से जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं, जो श्रीलंका का सबसे प्रभावशाली मार्क्सवादी संगठन है, जिसने 1971 और 1987-90 में राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के लिए खूनी विद्रोह किए थे। उत्तर कोरिया ने 1971 के विद्रोह का सक्रिय रूप से समर्थन किया था, जिसे भारत सहित कई देशों की मदद से श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कुचल दिया था, जिससे दोनों पक्षों में हजारों लोग मारे गए थे।

दो दिन के लिए लगी चुनाव प्रचार पर रोक : देश में शनिवार को होने वाले चुनाव से पहले जमकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। आज और कल चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं है। ऐसे में पहले ही प्रचार अभियान को पूरा कर लिया गया। श्रीलंका में एक नया राष्ट्रपति पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना जाएगा, जो 73 वर्षों में आए सबसे खराब आर्थिक संकट के बाद पहला चुनाव होगा।

क्या बोले विक्रमसिंघे : तीन प्रमुख उम्मीदवारों में से एक, वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को अपनी रैली के दौरान कहा कि आईएमएफ सुधार के तहत आर्थिक सुधार का वर्तमान कार्यक्रम देश को एक और दिवालियापन में जाने से बचाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 75 साल के नेता ने कहा, मैं युवा पीढ़ी के लिए एक भविष्य बनाना चाहता हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि श्रीलंका कर्ज लेने और कर्ज में डूबने पर निर्भर नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि दिसानायके और साजित प्रेमदासा की नीतियों से एक और आर्थिक मंदी आएगी। लोगों को आर्थिक सुधार को बनाए रखने के लिए बुद्धिमानी से मतदान करना चाहिए। वहीं, प्रेमदासा ने अपनी अंतिम रैली में कहा कि वह 20 लाख से अधिक मतों के बहुमत से जीतेंगे। वह आर्थिक समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेंगे। साथ ही आर्थिक संकट से प्रभावित लोगों को रियायतें देंगे।

डोनाल्ड ट्रंप को अब 100 से ज्यादा रिपब्लिकन ने ही बता दिया अयोग्य, कमला हैरिस को समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब 2 महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में चुनावी दावेदारी पेश कर रहे डेमोक्रेट और रिपब्लिकन उम्मीदवार अब इस रेस को जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। इस बीच एक ऐसी खबर आई है जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं भाएगी। खबरों के मुताबिक बुधवार को 100 से ज्यादा रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति अधिकारियों ने एक कॉमन चिट्ठी में राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया है। इस चिट्ठी में डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद के एक और कार्यकाल के लिए अयोग्य बताया है। इस चिट्ठी के जरिए रिपब्लिकन रोनाल्ड रीगन, जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति प्रशासन के पूर्व अधिकारियों ने भी ट्रंप को समर्थन ना देने की बात कही है। इसके साथ-साथ डेमोक्रेट बिल क्लिंटन और बराक ओबामा जैसे दिग्गजों ने भी नवंबर के चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैरिस को अपना समर्थन दिया है। उनके साथ कांग्रेस के कुछ पूर्व जीओपी सदस्य भी शामिल हुए। हमारा मानना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति को एक सिद्धांतवादी, गंभीर और शांत नेता होना चाहिए। इसमें आगे कहा गया, हम कई घरेलू और विदेश नीति के मुद्दों पर कमला हैरिस से असहमत हो सकते हैं लेकिन हमारा मानना है कि उनके पास राष्ट्रपति के रूप में सेवा देने के लिए जरूरी गुण हैं और डोनाल्ड ट्रंप में नहीं हैं।

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग: हम अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस गठबंधन के साथ, रक्षा मंत्री का बेतुका बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि उनका देश

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर कांग्रेस गठबंधन के रुख से सहमत है। हालांकि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र में जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की बात है, लेकिन अनुच्छेद 370 पर पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। बुधवार को जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान हुआ। मतदान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, जिससे पाकिस्तान का चिंतित होना स्वभाविक है।

क्या बोले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री : पाकिस्तान के एक टीवी कार्यक्रम में वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ शामिल हुए। इस दौरान एंकर ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल किया और कहा कि जम्मू कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 और 35ए जब लागू किया गया था तो उस वक्त केंद्र में कांग्रेस क पंडित नेहरू और जम्मू कश्मीर में शेख अब्दुल्ला सत्ता में थे। अब एक बार फिर दोनों साथ आए हैं और दोनों ने कश्मीर में आर्टिकल 370 और 35ए लागू करने का वादा किया है। इसे लेकर ख्वाजा आसिफ की प्रतिक्रिया मांगी गई। जिस पर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बहुत अच्छा होगा और हम आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के रुख के साथ हैं।

भाजपा द्वारा अक्सर कांग्रेस पर दुश्मनों की भाषा बोलने के आरोप लगाए जाते हैं। अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के ताजा बयान को लेकर देश की राजनीति गरमा सकती है। राहुल गांधी पहले ही अमेरिका में कथित देश विरोधी बयानों को लेकर भाजपा के निशाने पर हैं।

ईरानी हैकरों ने ट्रंप के अभियान से चुराई जानकारी बाइडेन कैंपन से जोड़ने की कोशिश की

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी हैकरों ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के अभियान को उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के अभियान से चुराई गई जानकारी से जोड़ने की कोशिश की और 2024 के चुनाव में हस्तक्षेप करने के प्रयास के तहत उन्होंने राष्ट्रपति से जुड़े लोगों को अनचाहे ईमेल भी भेजे। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य संघीय एजेंसियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि मेल पाने वाले किसी भी व्यक्ति ने जवाब दिया, जिससे हैक की गई जानकारी को चुनाव के अंतिम महीनों में फैलने से रोका जा सका।

हैकरों ने जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में बाइडेन के अभियान से जुड़े लोगों को ईमेल भेजे थे, लेकिन उसके कुछ ही समय बाद बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया। अमेरिकी सरकार के एक बयान के अनुसार, ईमेल में ''पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के अभियान से चुराई गई, गैर-सार्वजनिक सामग्री से लिया गया एक अंश शामिल था। इससे पहले भी एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियां ईरान पर ''हैक और लीक का सहारा लेकर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का आरोप लगा चुकी हैं।

कनाडा अब विदेशी छात्रों की संख्या में करेगा कटौती, भारतीयों पर होगा सीधा असर

ओटावा, एजेंसी। देश में अस्थायी प्रवासियों को बढ़ती संख्या को देखते हुए राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही कनाडा सरकार ने बुधवार को बड़ी घोषणा की है। कनाडा ने कहा है कि वह 2025 में विदेशी छात्रों की संख्या में और कटौती करेगा। इसके बाद दूसरे देशों से यहां पढ़ने आने वालों की संख्या इस साल के मुकाबले 10 प्रतिशत कम हो जाएगी। एक प्रेस रिलीज में इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा ने कहा कि पढ़ने की परमिट जारी करने की सीमा इस साल के लिए 4,85,000 के लक्ष्य से कम होकर 4,37,000 होगी। 2025 के यह प्रतिबंध 2026 के लिए भी लागू होंगे। कनाडा की सरकार ने अस्थायी विदेशी मजदूरों और शरणार्थी सहित दूसरे श्रेणियों में भी प्रतिबंधों की घोषणा की है। कनाडा में बढ़ती मंहगाई, घर की बढ़ती कीमतों और स्वास्थ्य और परिवहन जैसी बुनियादी जरूरतों पर दबाव के लिए बाहर से आए लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसके बाद यह नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजनशिप संबंधित मंत्री मार्क मिलर ने इन नियमों पर बात करते हुए कहा, सच ये है कि हर कोई जो कनाडा आना चाहता है जरूरी नहीं कि वह आ पाएगा, ठीक उसी तरह जैसे हर कोई जो कनाडा में रहना चाहता है वह नहीं रह सकता। हम अपने अस्थायी निवास योजना को मजबूत करने और आज के बदलते परिदृश्य की मांगों को पूरा करने के लिए यह कदम उठा रहे हैं।

भारतीयों पर असर : इस फैसले का असर भारतीयों पर सबसे ज्यादा पड़ने की उम्मीद है। छात्रों की बात करे तो भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में कनाडा में 1,83,310 भारतीय पढ़ रहे थे। साल 2022 में कनाडा में कुल 5 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र आए

थे। इनमें से 2,26,450 छात्र भारत से थे यानी कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारतीयों का हिस्सा लगभग 41त्न था। साल 2023 में करीब 9 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र कनाडा में पढ़ाई कर रहे थे जिनमें से लगभग 40 फ़ीसदी भारतीय थे।

कनाडा के लोग करेंगे समर्थन : यह घोषणा कनाडाई उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अच्छी खबर नहीं है। ग्लोबल न्यूज़ ने इस महीने की शुरुआत में बताया कि उद्योग समूह और यूनिवर्सिटीज़ कनाडा ने सितंबर में शुरू होने वाले नए सत्र के लिए देश में आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में 45 प्रतिशत की गिरावट की भविष्यवाणी की है। वहीं एजेंसी एंगस रीड इंस्टीट्यूट द्वारा हाल ही में किए गए सर्वे से यह बात सामने आई है कि सर्वे में शामिल लोगों में से लगभग आधे यानी 48 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यह एक अच्छा कदम होगा अगर कनाडा प्रवासियों के लिए अपनी सीमाएं बंद कर दे।

नतीजे इस साल के आखिर में हो जाएंगे साफ : इन फैसलों का फिलहाल कोई असर नहीं दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से जून के बीच जारी किए गए स्टडी परमिटों की संख्या 2023 के लिए 2,38,640 से बढ़कर 2,46,580 हो गई। भारत की बात करे तो यह संख्या छह महीने की अवधि के लिए 96,080 से बढ़कर 1,00,355 हो गई। ट्रूडो सरकार द्वारा इमिग्रेशन नीति तैयार करने से पहले, 2015 में जारी किए गए कुल स्टडी परमिट 2,19,035 थे और भारतीयों की संख्या केवल 31,920 थी। कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि नए फैसले के नतीजे इस साल के आखिर में साफ हो जाएंगे।

यूरोप के 6 देशों में बाढ़ ने मचाई तबाही, 22 लोगों की मौत व अरबों डॉलर का नुकसान

वारसॉ, एजेंसी। मध्य यूरोप के 6 देशों में आई भीषण बाढ़ से भारी तबाही मची हुई है। तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 22 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में रोमानिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया और हंगरी शामिल हैं। बाढ़ से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश होने की संभावना जताई है, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो सकती है। इन देशों की सरकारें और स्थानीय प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं, लेकिन स्थिति अभी भी नियंत्रण से बाहर है। यह बाढ़ न केवल जान-माल का नुकसान कर रही है, बल्कि इन देशों के लिए गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट भी पैदा कर रही है।

प्रभावित देशों के नाम व स्थिति : रोमानिया में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए

हैं। कई स्थानों पर सड़कें और पुल बह जाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

पोलैंड में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां 7 लोगों की मौत हो चुकी है। देश का तीसरा सबसे बड़ा शहर, रोक्लॉ , ओडेर और बिस्त्रजिका नदियों के उफान से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यहां हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कई इलाकों में घरों और इमारतों में कमर तक पानी भर चुका है। पोलैंड में एक 44 वर्षीय आईटी प्रोग्रामर माइकल नाकीविज राहत कार्यों में सहयोग कर रहे हैं और बता रहे हैं कि यहां लोग एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं, चाहे वे छोटे बच्चे हों या बुजुर्ग।

चेक गणराज्य में बाढ़ से अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान पोलैंड से सटे सीमा क्षेत्र में हुआ है, जहां नदियों में तेज बहाव के कारण कई ऐतिहासिक कस्बे बर्बाद हो गए हैं। पुल और इमारतें बह चुकी हैं, और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

हमास के युद्ध के बीच जर्मनी ने इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोकी, रिपोर्ट्स में दावा

बर्लिन , एजेंसी। इस्राइल इन दिनों अपने इतिहास के सबसे बड़े संघर्षों में से एक में उलझा हुआ है और ऐसे वक्त में जर्मनी ने इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोकने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में जर्मनी के अर्थव्यवस्था मंत्रालय के हवाले से यह दावा किया गया है। बीते साल जर्मनी ने इस्राइल को करीब 36 करोड़ डॉलर के हथियार सप्लाई किए थे, यह साल 2022 की तुलना में 10 गुना ज्यादा थे। हालांकि इस साल जर्मनी से इस्राइल को हथियारों की सप्लाई में गिरावट आई है।

कानूनी कारण से जर्मनी ने रोकी इस्राइल को हथियारों की सप्लाई : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जर्मनी ने इस साल इस्राइल को सिर्फ एक करोड़ साठ लाख डॉलर के ही हथियार भेजने की ही मंजूरी दी है। जर्मनी की संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में ये आंकड़े अर्थव्यवस्था मंत्रालय द्वारा दिए गए हैं। जर्मनी के अधिकारियों का कहना है कि इस्राइल के खिलाफ मानवाधिकार संबंधी कानूनी मामले चल रहे हैं। यही वजह है कि इन मानवाधिकार संबंधी कानूनों का उल्लंघन न हो, इसलिए जर्मनी ने इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोकने का फैसला किया है। हालांकि अभी तक जर्मनी की सरकार की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

इस्राइल के हमलों में गाजा में 41 हजार से ज्यादा लोगों की हो चुकी है मौत : इस्राइल के

खिलाफ गाजा में जारी नरसंहार के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में चल रहा है। साथ ही इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोकने की मांग करते हुए एक केस यूरोपीयन सेंटर फॉर कॉन्स्टिट्यूशनल एंड ह्युमन राइट्स द्वारा बर्लिन में दर्ज कराया गया है। इन्हीं मामलों में जर्मनी सरकार ने इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोकने का फैसला किया है। इस्राइल के गाजा में हमले में 41 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 23 लाख से ज्यादा की जनसंख्या को विस्थापन झेलना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के उल्लंघन के आरोप में ब्रिटेन ने भी इस्राइल को कुछ हथियारों की सप्लाई रोकी है। इससे पहले फरवरी में भी नीदरलैंड की कोर्ट ने इस्राइल को फाइटर जेट एफ-35 के पुर्जों के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश दिया था।

तालिबान के राजदूत ने कर दिया पाकिस्तान के राष्ट्रगान का अपमान, भड़क गई शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत में एक बार फिर ठन गई है। मामला पाकिस्तान के पेशावर में एक कार्यक्रम से जुड़ा है। जब कार्यक्रम की शुरुआत में पाकिस्तान का राष्ट्रीय गान चलाया गया तो उपस्थित अपगान राजदूत अपनी कुर्सी पर ही बैठे थे। इस मामले को पाकिस्तान सरकार ने गंभीरता से लिया है। अफगान राजदूत की तालिबान से शिकायत की है। विदेश मंत्रालय ने मामले में अफगान के प्रभारी राजदूत को भी तलब किया। अफगान दूतावास की तरफ से अजीबो-गरीब दलील आई है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि शहबाज शरीफ सरकार ने तालिबान से शिकायत की है कि देश के उत्तर-पश्चिम में एक कार्यक्रम के दौरान जब पाकिस्तानी राष्ट्रगान गाया गया तो एक अफगान राजनयिक खड़ा नहीं हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर विरोध जताते हुए अफगानिस्तान के प्रभारी राजदूत और इस्लामाबाद में अपने सबसे वरिष्ठ राजनयिक अहमद शाकिब को तलब किया। पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, पेशावर में अफगान वाणिज्य दूत मोहिबुल्लाह शाकिर एक आधिकारिक समारोह के दौरान जब राष्ट्रगान गाया गया तो वे अपनी सीट पर ही बैठे रहे। मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने कहा कि मेजबान देश के राष्ट्रगान का ऐसा अनादर कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ है।

अफगान दूतावास की अजीबो-गरीब दलील : पेशावर में अफ़गान वाणिज्य दूतावास ने इस मामले में बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि शाकिर इसलिए खड़े नहीं हुए क्योंकि राष्ट्रगान संगीत के साथ चल रहा था। अगर राष्ट्रगान बिना

संगीत के गाया जाता तो शाकिर सम्मान में खड़े हो जाते। उन्होंने कहा कि शाकिर को यह जानकारी थी कि अगर राष्ट्रगान संगीत के साथ चले तो खड़े होने की जरूरत नहीं है, वरना वो राष्ट्रगान को सम्मान जरूर देते। बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान में संगीत पर प्रतिबंध की घोषणा कर रखी है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर काबिज होने के बाद तालिबान ने अंतरिम सरकार का गठन किया और अफगानों पर शरिया कानून के नाम पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। इसमें संगीत से लेकर हेयर कट, महिलाओं के अकेले में घूमना और फिल्में देखना तक शामिल है। इस्लामाबाद और काबुल के बीच संबंध काफी समय से खराब चल रहे हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि अफ़गानिस्तान के नए शासक खुलेआम पाकिस्तानी तालिबान का समर्थन करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा, कहा

कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली चला रहे

वर्धा ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी को टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली चला रहे हैं। महाराष्ट्र के वर्धा में पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप जिस कांग्रेस को देख रहे हैं, वह वह पार्टी नहीं है, जिससे महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्ति जुड़े थे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस में नफरत का भूत घुस गया है। आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा ने दम तोड़ दिया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेताओं के विदेश में दिए गए भाषणों में भारत विरोधी एजेंडे की भी बात की, लेकिन उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम नहीं लिया, जिन्हें अमेरिका में आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के अपने बयान के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सभा को संबाधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2 दिन पहले ही हम सबने विश्वकर्मा पूजा का उत्सव मनाया है और आज वर्धा की पवित्र धरती पर हम पीएम विश्वकर्मा योजना की सफलता का उत्सव मना रहे हैं। आज ये दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 1932 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान शुरू किया था। विश्वकर्मा योजना के जरिए हमने श्रम से समृद्धि, कौशल से बेहतर कल का जो संकल्प लिया है। बापू की प्रेरणाएं हमारे उन संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने का माध्यम बनेगी। मैं इस योजना से जुड़े सभी लोगों, देशभर के सभी लाभार्थियों को इस अवसर पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य है - भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का पीएम मित्र पार्क इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है।

विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं है। ये योजना भारत के हजारों वर्ष पुराने कौशल को विकसित भारत के लिए इस्तेमाल करने का एक रोडमैप है। विश्वकर्मा योजना की मूल भावना है- सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि! यानी पारंपरिक हुनर का सम्मान, कारीगरों का सशक्तिकरण और विश्वकर्मा बंधुओं के जीवन में समृद्धि! ये हमारा लक्ष्य है। विश्वकर्मा योजना की एक और विशेषता है। जिस बड़े पैमाने पर इस योजना के लिए अलग अलग विभाग एकजुट हुए हैं, ये भी अभूतपूर्व है।

महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिला

उन्होंने कहा कि देश के 700 से ज्यादा जिलें, 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत, 5 हजार शहरी स्थानीय निकाय मिलकर इस अभियान को गति दे रहे हैं। एक साल में ही 18 अलग-अलग पेशों के 20 लाख से ज्यादा लोगों को इस योजना से जोड़ा गया। सिर्फ साल भर में ही 8 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों को स्किल ट्रेनिंग मिल चुकी है। अकेले महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिला है। अब तक 6.5 लाख से ज्यादा विश्वकर्मा बंधुओं को आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के खिलाफ.....रायपुर, भोपाल में मामले दर्ज

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान का मामला पुलिस तक पहुंच गया है। सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में रायपुर में भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 और 302 (बीएनएस103) के तहत एफआइआर दर्ज कर ली गई है। उधर, दिल्ली में भाजपा सिख प्रकोष्ठ के संयोजक चरणजीत सिंह लवली ने थाने में शिकायती पत्र दिया है। राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने को लेकर दिए बयान के विरुद्ध दिल्ली भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के संयोजक सीएल मीणा ने संसद मार्ग थाने में और अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने पंजाबी बाग थाने में शिकायत की है। मध्य प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अभद्र शब्दों का प्रयोग करने को लेकर राहुल पर विधिक कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने एमपी नगर पहुंचकर एफआइआर दर्ज करने का शिकायती पत्र दिया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राहुल के बयान से सिखों के साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लोगों में रोष है। वहीं, हिमाचल में भी भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश डोगरा ने छोटा शिमला थाना में राहुल गांधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निवेदन पत्र दिया है।

18 दिनों में.....4 करोड़ से अधिक लोग बने भाजपा के सदस्य

नई दिल्ली । भाजपा ने अपने संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024 के तहत देशभर में एक विशाल सदस्यता अभियान की शुरुआत की है, पार्टी को इस अभियान में भारी सफलता मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 सितंबर को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के विस्तार के दौरान इस राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य और अधिक लोगों को भाजपा से जोड़कर पार्टी के संगठन को मजबूत करना है। भाजपा ने दावा किया है कि मात्र 18 दिनों के भीतर 4 करोड़ से अधिक नए लोग पार्टी के सदस्य बन चुके हैं। यह संख्या भाजपा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो देशभर में पार्टी की व्यापक लोकप्रियता और समर्थन को दर्शाता है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े ने इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। तावड़े ने सदस्यता अभियान की जानकारी एक्स पर साझा की, उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की, जिसने पार्टी को मजबूत और संगठित बनाया है। तावड़े ने देश के नागरिकों से भी अपील की कि वे 8800002024 पर मिस्ड कॉल देकर या नमो एप के माध्यम से भाजपा के सदस्य बनें। इस सदस्यता अभियान को विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और असम जैसे राज्यों में बड़ी सफलता मिल रही है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष ने इन राज्यों के आंकड़ों को साझा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने 1 करोड़, मध्य प्रदेश ने 50 लाख, और गुजरात ने भी 50 लाख से अधिक सदस्यता प्राप्त कर ली है, जबकि असम 35 लाख के आंकड़े की ओर अग्रसर है। यह अभियान पार्टी के लिए अत्यधिक उत्साहवर्धक साबित हो रहा है, और इसके परिणामस्वरूप पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की भी सराहना की गई है।

नार्वे में पेट्रोल से ज्यादा ईवी कारें

नई दिल्ली । यूरोप के 55 लाख की आबादी वाला नार्वे सारी दुनिया में इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में सबसे शीर्ष पर है। पेट्रोल कारों से ज्यादा यहां पर इलेक्ट्रॉनिक कारें हैं। नार्वे दुनिया का ऐसा पहला देश है। जहां पर 754303 इलेक्ट्रॉनिक कारें हैं। वहीं पेट्रोल कारों की संख्या 753935 है। डीजल कारों की संख्या 999715 है। डीजल कारों की मांग बड़ी तेजी के साथ गिर रही है। हाल में नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। उसमें नई बिकने वाली 10 में से 9 कारें इलेक्ट्रॉनिक होती है। जो अपने आप में सारी दुनिया में एक रिकॉर्ड है। नार्वे में 1990 से ही इलेक्ट्रॉनिक कारें बिकना शुरू हो गई थी। नार्वे की सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक कारों की बिक्री को प्रोत्साहन देने के लिए बिक्री कर में छूट दी थी। टोल टैक्स से मुक्ति देते हुए लोगों को इलेक्ट्रॉनिक कार खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था। नार्वे में 2000 से अधिक निशुल्क चार्जिंग स्टेशन तैयार किए गए हैं। जिसके कारण यहां के निवासियों में इलेक्ट्रॉनिक कारों को लेकर रुचि बहुत ज्यादा बढ़ गई है। नार्वे में 93 फ़ीसदी हिस्सेदारी अब इलेक्ट्रॉनिक कारों की इसके बाद स्वीडन 60 फ़ीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन 38त्न के साथ तीसरे स्थान पर है।

सीबीआई ने नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में दूसरा आरोप पत्र दाखिल किया

पटना ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में शुक्रवार को पटना की एक विशेष अदालत में दूसरा आरोप पत्र दाखिल किया। इस आरोप पत्र में झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल अहसानुल हक और वाइस प्रिंसिपल मोहम्मद इम्तियाज आलम समेत चार अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रश्न पत्र चोरी करने की साजिश रची थी। चार अन्य लोगों में अमन कुमार सिंह, बलदेव कुमार, सन्नी कुमार और एक स्थानीय पत्रकार जमालुद्दीन शामिल हैं। इन सभी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 109 (उकसाना), 409 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी), 380 (चोरी), 201 (साक्ष्य गायब करना) और 411 (चोरी की संपत्ति प्राप्त करना) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा, प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लागू किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, इस साजिश का मास्टरमाइंड पंकज कुमार था, जिसने अहसानुल हक और मोहम्मद इम्तियाज आलम के साथ मिलकर परीक्षा के प्रश्न पत्रों को अवैध रूप से प्राप्त किया और उन्हें कुछ सॉल्वरों के जरिए हल कराया। सीबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 5 मई की सुबह हजारीबाग में परीक्षा के दिन पंकज कुमार को प्रश्न पत्रों वाले ट्रंक तक अवैध रूप से पहुंच दी गई थी। आधुनिक उपकरणों की मदद से कुमार ने ट्रंक को खोला और प्रश्न पत्र प्राप्त किए। इसके बाद, पेपर को सॉल्वरों के एक समूह ने हल किया, जिनमें से कुछ प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस छात्र थे। सीबीआई ने अब तक 7 सॉल्वरों को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने इस मामले में अब तक 48 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से कई सॉल्वर और अन्य संदिग्ध हैं। सीबीआई ने इस मामले में नीट-यूजी परीक्षा के लाभार्थी छात्रों की भी पहचान की है और उनकी जानकारी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ साझा की है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

इस साल नीट-यूजी 2024 परीक्षा का आयोजन 5 मई को हुआ था, जिसमें 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्र शामिल थे। एनटीए द्वारा आयोजित यह परीक्षा सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होती है।

सैनिकों और किसानों के परिवार करेंगे हरियाणा चुनाव का फैसला

प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल की रैलियां

चंडीगढ़ ।

20 तारीख से हरियाणा के चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। आम आदमी पार्टी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली है। वहीं हरियाणा विधानसभा के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन रैलियां और जनसभाएं 26 सितंबर को सोनीपत में, 28 सितंबर को हिसार में और 2 अक्टूबर को पलवल में होने जा रही है। हरियाणा के चुनाव में इस बार सैनिकों और किसानों के परिवार निर्णायक भूमिका में आ गए हैं। युवाओं में भी इस बार चुनाव को लेकर विशेष दिलचस्पी देखने को मिल रही है।

हरियाणा के 22 जिलों में सैनिक परिवारों का प्रभाव है।हरियाणा के सभी जिलों में किसान परिवार इस चुनाव में निर्णायक भूमिका में आ गए हैं। इस बार किसानों का रुझान एक ही तरफ है। जिसके कारण उम्मीदवारों में असमंजस बढ़ गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में अग्निपथ योजना, किसानो की शहादत और एमएसपी को लेकर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ मोर्चा संभाल रखा है। हरियाणा में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। यहां पर युवा इस बार रोजगार के मुद्दे पर मतदान करने की मानसिकता देखने को मिल रही है। अमेरिका से लौटने के बाद राहुल गांधी ने भी हरियाणा की यात्रा की है। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों को आम जनता की नाराजगी का शिकार भी होना पड़ रहा है। इस बार राजनीतिक दलों ने सैनिक परिवारों से जुड़े पूर्व सैनिकों को चुनाव मैदान में उतारा है। जिस तरह से हरियाणा चुनाव में सक्रियता देखने को मिल रही है।

उसके बाद यह कहा जा रहा है, यह चुनाव सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के लिए ऊंट किस करवट बैठेगा। इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। इस चुनाव में कौन उम्मीदवार जीत सकता है। इसका अंदाजा लगाना बड़ा मुश्किल हो रहा है।सभी दलों के उम्मीदवारों और उनके राजनीतिक आकाओं ने जोर-जोर से प्रचार अभियान शुरू कर दिया है।

शातिर कालबेलिया गैंग को पुलिस ने पकड़ा....सिंधिया ने की तारीफ

गुना ।

गुना में महाभारत काल के प्राचीन हनुमान टेकरी मंदिर में डकैती की वारदात के मामले में आरोपियों की पुलिस रिमांड ली गई है। पुलिस रिमांड में आरोपियों ने बताया कि उनकी गैंग विशेषकर हनुमान मंदिरों को निशाना बनाती थी। गुना के हनुमान टेकरी मंदिर, श्योपुर के छिमछिमा हनुमान मंदिर सहित कई स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कालबेलिया गैंग मुख्य बाबूलाल कालबेलिया से दो दर्जन लाल किताब भी मिली हैं। इन लाल किताबों में बड़े लेन-देन का हिसाब दर्ज है। किताबों में कई मोबाइल नंबर भी लिखे हुए हैं जिनकी जांच हो रही है। कालबेलिया गैंग के बदमाश इतने शातिर हैं कि आज तक किसी भी मामले में इनकी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पुलिस को धन्यवाद दिया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने लिखा, टेकरी सरकार की जय! यह प्रत्येक गुना क्षेत्रवासी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हनुमान टेकरी मंदिर से चोरी किए गए भव्य आभूषण टेकरी सरकार में पुनः स्थापित कर दिए गए हैं। इस उपलब्धि के लिए मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की पुलिस व प्रशासन का धन्यवाद। आपके सहयोग से टेकरी सरकार की सकारात्मक ऊर्जा और दिव्यता फिर से उजागर हुई है।

लाल किताबें बरामद

थाना प्रभारी अनूप भार्गव ने बताया कि बदमाशों के पास से 12 से ज्यादा लाल किताब मिली हैं जिसमें बड़े पैमाने पर लेनदेन की बात निकलकर सामने आई है। बीते 24 अगस्त की दरमियानी रात में हनुमान टेकरी मंदिर में डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें राजस्थान के एक ज्वैलर सहित कालबेलिया गैंग के 8 सदस्य नामजद आरोपी बनाए गए थे। आरोपियों में से 3 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ममता कर रही झारखंडवासियों को परेशान.....सोरेन चुप

हिमंता बिस्वा सरमा का आरोप

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने डिब्रूगढ़ चेक पोस्ट को सील कर दिया, इसके बाद झारखंड से एनएच-19 पर बराकर ब्रिज से मैथन तक भारी वाहनों की कतार लग गई। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अंतरराज्यीय सीमा को तीन दिनों के लिए सील करने का आदेश दिया है। ममता ने झारखंड सरकार की आलोचना कर आरोप लगाया था कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) झारखंड को बचाने के लिए अपने बांध से पानी छोड़ रहा है, जिससे बंगाल में बाढ़ जैसी स्थिति बढ़ गई है।

अब इस लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड सरकार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि ममता सरकार की विफलता के कारण बंगाल के लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। लेकिन आश्चर्य यह है कि ममता दीदी अपना गुस्सा अपने अधिकारियों पर नहीं, बल्कि झारखंड की जनता पर निकाल रही हैं। वे राज्य की सीमा को अवरुद्ध कर झारखंड के लोगों को परेशान कर रही है और झारखंड के मुख्यमंत्री चुप हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भी कह चुकी है कि बंगाल में आई बाढ़ के लिए झारखंड दोषी नहीं है।

असम सीएम ने कहा कि यह मामला किसी राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है, बल्कि ये झारखंड की जनता के सम्मान का मामला है। लेकिन झामुमो ने चुप्पी साध ली है क्योंकि उनके लिए राजनीति का कर्तव्य राज्य के कर्तव्य से बड़ा है। झारखंड की जनता को सोचना चाहिए कि क्या आपको ऐसी पार्टी को फिर से मौका देना चाहिए जो अपने राज्य की गरिमा की रक्षा करने में असमर्थ है? बता दें कि बंगाल सरकार की कार्रवाई पर झारखंड के अधिकारी हैरानी जताकर मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। सरकारी सूत्रों ने दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है, लेकिन मामला अभी तक सुलझा नहीं है।

कारगिल में न हो केदारनाथ और सिक्किम जैसी घटना....इसके लिए टीम जुटी

नई दिल्ली । कारगिल का किछूर गांव। इस गांव से कुछ दूरी पर मौजूद है नागमिथोंग नाला का कालापरी कैंप। ऊंचाई होगी करीब 12,800 फीट। यहां 20-24 अगस्त 2024 के दौरान आईआईटी रुडकी में असिस्टेंट प्रोफेसर सौरभ विजय के साथ आईआईएसआर-पुणे की एसोसिएट प्रोफेसर अर्घा बैनर्जी और उनके साथ रिसर्च स्कॉलर कृष्णानंद जे. भी थे। इस टीम का मकसद था ग्लेशियर और उनसे बनने वाली ग्लेशियल झीलों की स्टडी करना।

सौरभ ने बताया कि हमारी टीम ने घाटी के ग्लेशियर, ग्लेशियल झील, ग्लेशियर से पिघलने वाले पानी और स्थानीय जलवायु का अध्ययन किया। इसलिए लामो ग्लेशियर के पास ऑटोमैटिक टाइम लैप्स कैमरा सिस्टम लगाया, जो हर मौसम में साल भर ग्लेशियर और उसके पिघलने से बनी झील पर नजर रख सकें।

इस झील का आकार पिछले तीन दशकों में 25 गुना बढ़ गया है। इस झील का क्षेत्रफल करीब 5 लाख वर्ग मीटर है।इसमें करीब 500 करोड़ लीटर पानी है। इतना पानी जो कि पूरे लद्दाख के छह महीने की जरूरत को पूरा कर सकता है। लेकिन इतना पानी और इतनी ऊंचाई पर बढ़ती झील एक खतरा भी है।

खतरा ये है कि ये झील किसी भी समय ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड का कारण बन सकती है। वैसा ही खतरा जो 2013 में केदारनाथ घाटी में, 2023 में सिक्किम में और हाल ही में नेपाल में हुआ था।

ग्लेशियोलॉजिस्ट अर्घा बनर्जी ने बताया कि इस झील के पास यंत्रों को लगाते समय और वहां जाते समय कई स्थानीय चरवाहे और लोग से बातचीत की। साथ ही कुछ एडवेंचर की तलाश में गए हाइकर्स भी मिले। ये सभी चालोंग और वारवान घाटी की यात्रा बोटकोल पास होते हुए कर रहे थे। बटकोल पास झील से तकरीबन सौ मीटर ऊपर से होकर गुज़रता हैं। यह पास लामो ग्लेशियर से होकर गुज़रता हैं। सदियों से चरवाहें, यात्री और सेनाएं कश्मीर से लद्दाख आने के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल करते आए है। कृष्णानंद ने बताया कि हमारी टीम ने देखा कि ये रास्ता बेहद खतरनाक है। साथ ही झील के फैलने से इस रास्ते पर खतरा कई गुना और बढ़ जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा, जजों का अपॉइंटमेंट पेंडिंग क्यों, सीजेआई ने कहा

कॉलेजियम कोई सर्च कमेटी नहीं, जिसकी सिफारिशों को रोका जाए

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार से जवाब-तलब किया। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के जजों की नियुक्तियों के लिए कॉलेजियम ने जो नाम दोबारा भेजे हैं, उन्हें अब तक मंजूरी क्यों नहीं दी गई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कॉलेजियम कोई सर्च कमेटी नहीं है, जिसकी सिफारिशों को रोका जा सके।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट झारखंड सरकार और एडवोकेट हर्ष विभोर सिंघल की दो अलग-अलग याचिकओं पर सुनवाई कर रही थी। झारखंड सरकार की याचिका एमएस रामचंद्र राव को राज्य के हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी न देने को लेकर थी। एडवोकेट हर्ष विभोर सिंघल ने दूसरी याचिका दायर की जिसमें केंद्र सरकार को कॉलेजियम की सिफारिशों को मानने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करने की मांग की गई थी।

न्यायिक नियुक्तियों की समय सीमा तय हो

एडवोकेट प्रशांत भूषण ने 2018 में कॉमन कॉज में दायर एक याचिका का जिक्र किया, जिसमें न्यायिक नियुक्तियों के लिए समय सीमा तय करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वे उन नामों की लिस्ट बनाए जो कॉलेजियम ने दोबारा भेजे हैं और बताएं कि ये क्यों पेंडिंग हैं। इसके बाद मामले को स्थगित कर दिया गया। झारखंड सरकार की ओर से कहा गया कि पिछले चीफ जस्टिस के मामले में भी कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी देने में देरी हुई। कॉलेजियम ने 27 दिसंबर, 2023 को झारखंड के चीफ जस्टिस के रूप में उड़ीसा हाईकोर्ट के जस्टिस बीआर सारंगी के नाम की सिफारिश की थी। सरकार ने 3 जुलाई, 2024 को नियुक्ति की मंजूरी दी और सारंगी 19 जुलाई को रिटायर हो गए। वे 15 दिन ही चीफ जस्टिस रह पाए। राज्य का आरोप है कि कॉलेजियम ने चीफ जस्टिस की नियुक्ति की सिफारिश काफी पहले ही कर दी थी, लेकिन सरकार ने इस पर कार्रवाई नहीं की। इससे न्याय प्रशासन प्रभावित हुआ है और केंद्र सरकार की देरी में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में होते हैं 5 सदस्य

कॉलेजियम में 5 सदस्य होते हैं। सीजेआई इसमें प्रमुख होते हैं। इसके अलावा 4 मोस्ट सीनियर जज होते हैं। इसके सदस्यों में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई शामिल हैं। कॉलेजियम ही सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति और उनके नाम की सिफारिश केंद्र से करता है। केंद्र की मंजूरी के बाद ही नए जजों की नियुक्ति होती है।

वन नेशन वन इलेक्शन अव्यवहारिक है : दिग्विजय सिंह

मध्यावधि चुनावों के हालात बने तो वन नेशन वन इलेक्शन कैसे संभव होगा?

इन्दौर ।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने वन नेशन वन इलेक्शन को अव्यवहारिक बताते हुए कहा कि देश या राज्यों में मध्यावधि चुनावों के हालात बने तो वन नेशन वन इलेक्शन कैसे संभव होगा? यह फैसला देश के संघीय ढांचे और राज्यों की स्वायत्तता के लिए बड़ी चुनौती है।

इन्दौर में मीडिया से चर्चा के दौरान दिग्वीं जय सिंह ने कहा कि हमारे देश में अकसर राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार अपने पूरे कार्यकाल तक नहीं चला पाती। ऐसे में अगर सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो राज्यों की स्वतंत्रता और स्वायत्तता ख़तरे में पड़ सकती है। उन्होने वर्ष 1998 और 1999 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति बनने पर क्या राज्य सरकारों को भंग करना संभव होगा। उन्होने कहा कि यह विधेयक इसलिए लाया जा रहा है कि चाहे सरकार के पास बहुमत हो या न हो, सरकार हट नहीं सकती। सरकार का कार्यकाल तय हो जाएगा। टर्म फिक्स हो जाएगा। यह बिल लोकतांत्रिक व्यवस्था का विरोध दर्शाता है। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि भारत बहुभाषीय देश, बहुधर्म वाला देश है। संस्कार और संस्कृति इस देश में अलग है। इस तरह के देश में संघीय ढांचे से ही सरकार चल सकती है। वैसे तो इस प्रस्ताव को बहुमत मिलने वाला नहीं है। खुदा न खास्ता बिल पास हो गया तो प्रदेशों में जो सरकारें अभी चुनकर आई हैं, वो पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी, क्या यह वोटरों के साथ अन्याय नहीं होगा? वन नेशन वन इलेक्शन अव्यावहारिक है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्वीं जय सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक समरसता बिगड़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे है। भाजपा की अंतरकलह सामने आ रही है। इससे पीछा छुड़ाने के लिए यह शिगुफा छोड़ा गया है। शुक्रवार को इन्दौर में न्याय यात्रा में शामिल होने के बाद दिग्वि जय सिंह मुंबई के लिए रवाना हुए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

हीरे की चोरी के शक में एक रत्नकलाकार को मौत के घाट उतार दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, यह घटना एक हीरा कारखाने में घटी, जहां मालिक ने अपने कर्मचारी को चोरी का आरोपी मानते हुए उसे बंधक बना लिया। इसके बाद उसने रत्नकला कार की हत्या कर दी और ताला मारकर फरार हो गया।

जब पुलिस ने छानबीन की और ताला खोला, तो कारखाने में रत्नकला कार की लाश मिली। आरोपी मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में रहने वाला एक युवक गायत्री नगर में हीरे के कारखाने में मजदूरी का काम करके अपने परिवार की आर्थिक मदद कर रहा था। कल कारखाने के मालिक ने अपने बेटे और वहां काम करने वाले कारीगरों सहित कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर युवक पर चोरी का आरोप लगाया। इसके बाद रत्नकला कार युवक को चोरी कबूल करवाने के लिए उसे बांधकर डंडों और लातों से बेरहमी से पीटा गया। युवक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मृत्यु हो गई।

इस घटना के बाद आरोपी घबरा गए और कारखाने में ताला लगाकर भाग गए। जब पुलिस को इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने कारखाने के मालिक को गिरफ्तार किया और उससे ताला खुलवाया। ताला खोलने के बाद अंदर युवक की लाश बरामद हुई।

मृतक के रिश्तेदार ने कापोद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर १० लोगों की गिरफ्तारी की। इनमें दो नाबालिग और हत्या में शामिल कारखाने के मालिक और उसके बेटे भी शामिल हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कापोद्रा पुलिस इंस्पेक्टर एम. बी. औसुरा को कल शाम ६ बजे सूचना मिली कि गायत्री नगर में ठाकरशी वाघेला के हीरे के कारखाने में किसी व्यक्ति को चोरी के आरोप में बंधक बनाकर रखा गया है।

नकली कस्टम अधिकारी को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले डेढ़ साल से सक्रिय एक नकली कस्टम अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है, जो सरकारी नौकरी और अन्य कामों के बहाने

लोगों से पैसे ऐंठता था। आरोपी, जिसका नाम हिमांशु राय है और जो मूल रूप से बिहार का निवासी है, पहले दिल्ली में एयरपोर्ट अथॉरिटी में कस्टम अधिकारी का ड्राइवर था। नौकरी छूटने के बाद, उसने दिल्ली और गोवा से कस्टम का फर्जी सर्टिफिकेट और सीनियर इंस्पेक्टर का नकली आईकार्ड बनवाया। हिमांशु राय आर्मी की वर्दी पहनकर और अपनी गाड़ी पर आर्मी की फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमता था। उसने दिल्ली एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट लाइसेंस दिलवाने और स्लीपर बस किराए पर देने के बहाने से कुल १२.७५ लाख रुपये की ठगी की।

सूरत में पिछले डेढ़ साल से सक्रिय एक नकली कस्टम अधिकारी, मूल रूप से बिहार के निवासी हिमांशु रॉय को सूरत क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। वह आर्मी की वर्दी और आर्मी की फर्जी नंबर प्लेट के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने और इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट लाइसेंस दिलवाने के बहाने करीब १२.७५ लाख रुपये की ठगी कर चुका था।

लिटिल जिनियस २.० का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव में शुक्रवार को ट्रस्ट की युवा शाखा द्वारा लिटिल जिनियस २.० का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में शाम पाँच बजे से किया गया. ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की आयोजन में प्रतियोगियों ने जनरल नॉलेज, अल्फाबेट, नंबर, पज़ल्स आदि में मौक़े पर ट्रस्ट के अनिल अपने हुनर का प्रदर्शन शोरेवाला, युवा शाखा के किया. अग्र प्रतिभाओं को अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल आगे लाने के लिए इसका सहित अनेकों सदस्य आयोजन किया गया. इस उपस्थित रहें.

सुशिक्षित एवं सुसंस्कारी नारी करती है राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण - राज्यपाल आचार्य देवव्रत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महातपस्वी युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के मंगल सानिध्य में भगवान महावीर यूनिवर्सिटी, वेसु में २० से २२ सितंबर तक आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के ४९वें वार्षिक महिला सम्मेलन 'संरक्षणम्' के पहले दिन सम्मेलन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की मुख्य अतिथि के रूप में विशेष उपस्थिति रही.

इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि आचार्य श्री महाश्रमण जी महान धर्माचार्य है आपका समग्र जीवन मानवता के लिए समर्पित है आपके दर्शन पूर्व में भी मैंने कई बार किए हैं और आपके बीच आकर मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं आपके परिवार का ही सदस्य हूं. मैं पूज्य आचार्यवर के चरणों में वंदन करता हूं.

राज्यपाल ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय नारीशक्ति ने हमेशा भारत की संस्कृति और परंपराओं को गौरवान्वित किया है. भारत के प्राचीन इतिहास को देखने से लगता है कि नारी का स्थान भारतवर्ष में बहुत ऊंचा था. कुछ क्षेत्रों में तो नारी का स्थान पुरुषों से भी ऊंचा था. रामायण काल में सुलभा साध्वी का उल्लेख आता है. उसे शास्त्र में बड़े-बड़े दिग्गज विद्वान भी पराजित नहीं कर पाए थे. महासती गार्गी ने महर्षि याज्ञवल्क्य को शास्त्र चर्चा में पराजित कर दिया था. मध्यकाल में विदेशियों के आक्रमण ने भारतीय नारी समाज का शोषण किया. उनकी शक्तियों को दबा दिया गया. आज फिर से भारतीय नारी अपनी अस्मिता दिखा रही है. शिक्षा का क्षेत्र हो, सामाजिक क्षेत्र हो या राष्ट्र की सुरक्षा का क्षेत्र हो, सर्वत्र भारतीय नारी अपनी प्रतिभा दिखा रही है. लेकिन नारी जाति को अब एक बात का ध्यान रखना है कि उसकी स्वतंत्रता कहीं स्वच्छंदता में परिणमित न हो जाए. नारी अबला नहीं सबला है. उसके ऊपर बच्चों के संस्कार निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है. संस्कारवान बच्चा माँ और परिवार के लिए सबसे बड़ी पूंजी है. भारत के ऋषि-मुनियों ने प्राचीनकाल से ही सोलह संस्कारों की अवधारणा दी है. गर्भ संस्कार ऋषि परंपरा से स्वीकृत है.

उन्होंने कहा कि राष्ट्र का निर्माण आधुनिक सुख-सुविधाओं के विकास से नहीं, बल्कि वीर माताओं के शौर्य, संस्कार और सतीत्व के उजागर होने से होता है. समाज और संस्कृति को उन्नति या पतन की ओर ले जाना नारीशक्ति पर ही निर्भर है, ऐसा मत व्यक्त करते हुए उन्होंने नारियों से राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया.

करुणा, प्रेम, वात्सल्य और अद्भुत सहनशक्ति का स्रोत नारी है ङ्क ऐसी प्रेरणादायक परिभाषा देते हुए उन्होंने प्रकृति द्वारा नारी को दी गई अपार शक्ति के भंडार का परिवार, समाज और राष्ट्रहित में उपयोग करने की शिक्षा दी.

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राचीन, मध्य और वर्तमान, इन तीन कालों में विभाजित भारत का इतिहास विविधतापूर्ण रहा है. प्राचीन काल में नारी पुरुष के समान या उससे भी अधिक सम्मानित थी, लेकिन मध्यकाल में स्थिति दयनीय हो गई. मध्यकाल में महिलाओं पर जितना अत्याचार हुआ, उतना ही वर्तमान में महिलाएँ आगे बढ़ रही हैं.

उन्होंने परिवार और समाज की चालक शक्ति समान नारीशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि समाज और संस्कृति की जननी नारीशक्ति ही है. भारतीय सनातन संस्कृति सदियों से नारी को देवी रूप में मानती आई है. जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवों का वास होता है, ऐसा भाव वेद-पुराणों ने सिखाया है. आधुनिक युग में भी अध्यात्म और परिवारवाद की संस्कृति को संजोने वाले सभी महिला सदस्यों और पदाधिकारियों को राज्यपाल ने बधाई दी.

शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा -- समाज में स्त्री और पुरुष दोनों का समान योगदान रहा है और रहेगा. आचार्य श्री तुलसी ने समाज के निर्माण हेतु अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया. चार दिवारी और घूंघट में रहने वाली तेरापंथ समाज की नारी के उत्थान के लिए भी उन्होंने बहुत काम किया. आज फिर से तेरापंथ समाज की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है. वे सुंदर मंच संचालन कर सकती है. प्रभावशाली वक्तव्य भी दे सकती है. उनका योगदान धार्मिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण रहा हैं. प्राचीन काल में देखें तो भगवान महावीर के समय में १४००० साधु और ३६००० साध्वियां थी. आज भी हमारे संघ में साधु १५० है जबकि साध्वियां ५५० है. तो अध्यात्म के क्षेत्र में भी नारी की महत्वपूर्ण भूमिका उजागर हो रही है. तेरापंथ की नारी कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है. इसका मुख्य दायित्व है संस्कार निर्माण और सत्संस्कारों की शिक्षा का क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र और नेतृत्व के क्षेत्र में भी नारी आगे बढ़ रही है. उसे पुरुष समाज के संरक्षण की भी आवश्यकता है. उन्होंने कहा राज्यपाल श्री देवव्रत जी प्रबुद्ध व्यक्तित्व के धारक हैं. विशिष्ट वक्ता हैं. वे कई बार हमारे पास आते रहे हैं. उन्हें मिलकर एक आनंद की अनुभूति होती है.

साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी ने कहा कि तेरापंथ की नारी अच्छी गृहिणी तो है ही साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर भी आगे बढ़ रही है. बच्चों और समग्र परिवार में संस्कार सिंचन करते हुए वह स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है.

इस अवसर पर मंडल की उपाध्यक्ष नीलम सेठिया, महामंत्री नीतू ओस्तवाल, पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत, भगवान महावीर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संजय जैन, तेरापंथ चातुर्मास समिति के अध्यक्ष संजय सूराना, महामंत्री नानालाल राठौड़, उपाध्यक्ष अंकेश शाह, अनिल चंडालिया, संजय भंसाली, भगवान महावीर यूनिवर्सिटी के श्री संजय जैन, अनिल जैन, जगदीश जैन एवं तेरापंथ युवा परिषद के अध्यक्ष अभिनंदन गादिया, प्रिंट मीडिया प्रभारी अर्जुन मेडतवाल, अग्रणी विनोद जैन, श्री संजय बोथरा, रत्न भालावत, तेरापंथ समाज के अग्रणी सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थीं.

गृहस्थ भी करे समतारस का आसेवन : शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारत का पश्चिम भाग में स्थित भारत का सबसे समृद्ध राज्य गुजरात और गुजरात राज्य का सबसे समृद्ध तथा विश्व में हीरे और कपड़े के व्यवसाय के लिए सुविख्यात सूरत शहर वर्तमान में धर्म और

अध्यात्म नगरी के रूपी में भी ख्यापित हो रहा है. जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी इस नगरी में अपना भव्य चतुर्मास कर रहे हैं. इस अवसर का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और हजारों श्रद्धालु संयम विहार में रहकर इस अवसर का लाभ प्राप्त कर रहे हैं. आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में विविध आयोजनों, सम्मेलनों व अधिवेशनों का दौर भी अनवरत जारी है. शुक्रवार को भी आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्त्वावधान में एक नए प्रकल्प सेवा साधक श्रेणी का प्रथम त्रिदिवसीय शिविर का शुभारम्भ हुआ तो दूसरी ओर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल का वार्षिक अधिवेशन का क्रम भी प्रारम्भ हुआ.

शुक्रवार को महावीर समवसरण में समुपस्थित जनता को जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन प्रतिबोध प्रदान करते हुए कहा कि मानव जीवन में लाभ और अलाभ की बात होती है. साधु को भी लाभ की स्थिति में ज्यादा प्रसन्नता तथा अलाभ में बहुत ज्यादा शोक नहीं करना चाहिए. साधु को मद और शोक दोनों से भी बचने का प्रयास करना चाहिए। साधु को दोनों ही परिस्थितियों में समता का भाव रखने का प्रयास करना चाहिए. हमारे धर्मसंघ में दो बार अर्हत वंदना होती है, जिसके पाठ में लाभ और अलाभ में भी समता भाव रखने का प्रयास करना चाहिए. लाभ-अलाभ, सुख-दुःख, निंदा-प्रशंसा, मान और अपमान इन द्वंदात्मक स्थितियों में सम रहने की प्रेरणा दी गई है. साधु को समतामूर्ति, क्षमामूर्ति, त्यागमूर्ति, अहिंसामूर्ति, दयामूर्ति, यथार्थमूर्ति, महाव्रतमूर्ति होना चाहिए.

गृहस्थ को भी अपने जीवन में समतारस का आसेवन करने का प्रयास करना चाहिए. गृहस्थ जीवन में व्यापार, धंधा आदि कार्य करते हैं. किसी वर्ष बहुत अच्छी इनकम हो जाए, कभी घाटा भी लग जाए, कभी सामान्य-सी स्थिति भी हो जाए तो ऐसी परिस्थितियों में गृहस्थ अपना मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में कभी प्रिय का वियोग हो जाए तो भी मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रयास होना चाहिए. मन को दोनों ही स्थितियों में समता भाव में रखने का प्रयास होना चाहिए. ज्यादा राग और ज्यादा द्वेष भी विषमता की स्थिति ही होती है. आदमी को दोनों स्थितियों में सम भाव रखने का प्रयास करना चाहिए. इसलिए आदमी को लाभ होने पर मद न करे और शोक मिल जाने पर ज्यादा दुःखी नहीं बनने का प्रयास करना चाहिए.

आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय सेवा साधक श्रेणी के शिविर का शुभारम्भ हुआ. इस संदर्भ में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री मनसुखलाल सेठिया तथा इस श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक श्री किशनलाल डागलिया ने अपनी विचाराभिव्यक्तिदी. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने पावन आशीष प्रदान करते हुए कहा कि जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्त्वावधान में सेवा साधक श्रेणी की परियोजना सामने आई है. समाज में अनेक गतिविधियां हैं. जीवन में आदमी साधना करे. मानव जीवन में धार्मिक-आध्यात्मिक अच्छी साधना भी चले और धार्मिक-आध्यात्मिक सेवा देने का भी प्रयास हो. इस शिविर से संभागियों को अच्छी जानकारी, अच्छा प्रशिक्षण व अच्छा लाभ प्राप्त हो. विकास परिषद के सदस्य श्री बनेचंद मालू ने अपनी भावाभिव्यक्ति थी.